प्रेरणास्त्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोक प्रेरणा

लोहारू से प्रकाशित

RNI No.HARHIN/2022/90426 | वर्ष : 03, अंक: 364 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 2.00 | सोमवार, 09 जून 2025 | lokparerna@gmail.com | +91-9255149495

अगले साल तमिलनाडु-बंगाल में सरकार बनाएगी एनडीए: शाह

यह सम्मेलन द्रमुक सरकार को सत्ता से हटाने और बदलाव की शुरूआत का संकेत है: शाह

मदुरै/लोक प्रेरणा
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मदुरै में कहा कि अगले साल तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में जनता द्रमुक को हराएगी। उन्होंने कहा कि साल 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और अन्नाद्रमुक मिलकर एनडीए सरकार बनाएंगे। शाह ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह सम्मेलन द्रमुक सरकार को सत्ता से हटाने और बदलाव की शुरूआत का संकेत है। अमित शाह ने कहा कि तमिलनाडु की जनता अब बदलाव चाहती है और भाजपा कार्यकर्ता इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। अमित शाह ने कहा, यहां 2026 में बीजेपी-एआईएडीएमके गठबंधन की एनडीए सरकार बनेगी। एम.के. स्टालिन कहते हैं कि अमित शाह द्रमुक को हरा नहीं सकते। वह सही कह रहे हैं, मैं नहीं, बल्कि तमिलनाडु की जनता आपको हराएगी। शाह ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की तैयारी की समीक्षा भी की और राज्य के नेताओं के साथ रणनीति पर चर्चा की।

जनगणना 2021 में कराई जानी थी

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, गृह मंत्री ने कई बार स्पष्ट किया है कि परिसीमन प्रक्रिया के दौरान दक्षिणी राज्यों की चिंताओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा और इस मुद्दे पर उचित समय पर सभी संबंधित पक्षों से चर्चा की जाएगी। जनगणना 2021 में कराई जानी थी और इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं, लेकिन कोरोना महामारी फैलने के कारण इसे टालना पड़ा।

शाह ने अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन की घोषणा की थी

भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शाह ने तमिल भाषा में न बोल पाने पर खेद जताया। उन्होंने कहा, मैं तमिलनाडु के पार्टी कार्यकर्ताओं से माफी चाहता हूं क्योंकि मैं भारत की सबसे महान भाषाओं में से एक तमिल में बात नहीं कर सकता। अप्रैल में तमिलनाडु दौरे के दौरान शाह ने अन्नाद्रमुक के साथ फिर से गठबंधन की घोषणा की थी।

तमिलनाडु की जनता द्रमुक सरकार से तंग आ चुकी है

शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, तमिलनाडु की जनता द्रमुक सरकार के भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है। भाजपा के कार्यकर्ता हर गली, मोहल्ले और घर तक पहुंचेंगे और (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए का विकसित और समृद्ध तमिलनाडु का दृष्टिकोण लोगों तक पहुंचाएंगे। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले 10 साल में तमिलनाडु को 6.80 लाख करोड़ रुपये दिए हैं। फिर भी मुख्यमंत्री स्टालिन पूछते हैं कि केंद्र ने राज्य के लिए क्या किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन को चुनौती दी कि वह बताएं क्या उन्होंने 2021 के चुनाव में द्रमुक की ओर से किए गए सभी वादों को पूरा किया है।

मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई जल्द ही तमिल भाषा में शुरू की जाए: शाह

अमित शाह ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में शराब बिक्री घोटाले के बराबर पैसे से हर स्कूल में कम से कम दो कक्षाएं बनाई जा सकती थीं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मैं तमिलनाडु सरकार से एक बार फिर अपील करता हूं कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई जल्द ही तमिल भाषा में शुरू की जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में सेंगोल स्थापित कर तमिलनाडु का सम्मान किया है, और मैं उम्मीद करता हूं कि मुख्यमंत्री स्टालिन उन्हें इसके लिए धन्यवाद देने के लिए पत्र लिखेंगे। गृह मंत्री शाह ने दिन की शुरूआत प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर के दर्शन से की, जहां उन्होंने पूजा की और मंदिर के पुजारियों ने उन्हें पारंपरिक तरीके से स्वागत किया।

परिसीमन में संबंधित पक्षों से होगी चर्चा

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि जनगणना आधारित परिसीमन प्रक्रिया में दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को पूरी गंभीरता से लिया जाएगा और उचित समय पर सभी संबंधित पक्षों से चर्चा की जाएगी। गृह मंत्रालय (एमएचए) के प्रवक्ता ने यह बयान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की ओर से उठाई गई उस चिंता के एक दिन बाद दिया, जिसमें उन्होंने 2026 के बाद होने वाले परिसीमन से दक्षिण भारत की संसदीय सीटों में संभावित कटौती का सवाल उठाया था। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, गृह मंत्री ने कई बार स्पष्ट किया है कि परिसीमन प्रक्रिया के दौरान दक्षिणी राज्यों की चिंताओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा और इस मुद्दे पर उचित समय पर सभी संबंधित पक्षों से चर्चा की जाएगी। जनगणना 2021 में कराई जानी थी और इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं, लेकिन कोरोना महामारी फैलने के कारण इसे टालना पड़ा। प्रवक्ता ने कहा कि महामारी के प्रभाव काफी समय तक बने रहे और इसने शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में बाधा पैदा की। उन्होंने कहा, जनगणना कराने के लिए करीब 30 लाख गणनाकताओं की जरूरत होती है। ये गणनाकर्ता मुख्य रूप से प्राथमिक स्कूलों के शिक्षक होते हैं और इस प्रक्रिया में उनकी भूमिका सबसे अहम होती है। कोरोना महामारी के बाद अगर जनगणना कराई जाती, तो इससे प्राथमिक शिक्षा पर बहुत बुरा असर पड़ सकता था।

देश में 6000 से अधिक कोरोना के एक्टिव मामले

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा
कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट की जारी लहर इन दिनों दुनियाभर के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। हांगकांग और सिंगापुर से शुरू हुए संक्रमण के मामले भारत में भी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। करीब 15 दिनों के भीतर ही भारत में कोरोना के एक्टिव मामले 30 गुना तक बढ़ गए हैं। 22 मई को कुल एक्टिव केस 257 थे जो 8 जून तक बढ़कर 6133 हो गए हैं। रोजाना कोरोना से मौत के मामले भी रिपोर्ट किए जा रहे हैं। डॉक्टर कहते हैं, कोविड-19 के मामलों में लगातार हो रही वृद्धि चिंता का विषय जरूर है और इससे घबराने की जरूरत नहीं है। देश में फैल रहा सब-वैरिएंट ओमिक्रॉन स्ट्रेन फैमिली का ही है, जिसके लक्षण अधिकतर लोगों में हल्के, कुछ लोगों में

एसिम्टोमेटिक और आम जनता के लिए काफी हद तक हानिरहित है। हालांकि सभी लोगों को बचाव के उपायों पर गंभीरता से ध्यान देते रहने की आवश्यकता है। जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता अच्छी है उनमें इस संक्रमण का असर नहीं हो रहा है, पर चिंताजनक बात ये है कि संक्रमित व्यक्ति वायरस का वाहक जरूर हो सकता है, जिससे उन लोगों में संक्रमण फैलने का खतरा रहता है जो पहले से बीमार हैं या बुजुर्ग हैं, ऐसे लोगों में गंभीर रोग विकसित हो सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

इसलिए जरूरी कि सभी लोग संक्रमण से बचने के उपाय करते रहें। अब सवाल उठता है संक्रमण फैलने की जो गति देश में देखी जा रही है, क्या उसे ध्यान में रखते हुए एक बार फिर से मास-वैक्सीनेशन जरूरी हो गया है?

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?
भारत ने जनवरी 2021 में दुनिया का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू किया। कोविन डैशबोर्ड के अनुसार, अब तक देश में कोविड-19 वैक्सीन की 220 करोड़ से ज्यादा खुराकें दी जा चुकी हैं। पहले से संक्रमण के जरिए अधिकतर लोगों ने मजबूत प्रतिरक्षा विकसित कर ली है, इसलिए कोरोना अब उतना गंभीर और प्रभावी नहीं रहा है। आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ राजीव बहल ने एक रिपोर्ट में कहा कि वर्तमान में बड़े पैमाने पर लोगों के लिए बूस्टर खुराक शुरू करने की बिल्कुल जरूरत नहीं है।

'मीडिया एनडीए की सीटें बांटना छोड़े, हमारा काम हम कर लेंगे'

मुजफ्फरपुर/लोक प्रेरणा
मुजफ्फरपुर में पहुंचे राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने क्लब मैदान में आयोजित संवैधानिक अधिकार परिसीमन सुधार महारैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इतनी भीषण गर्मी और तपिश में आए लोगों के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। मुझे इतनी भारी भीड़ की उम्मीद नहीं थी। आप सबको देखकर हमें हौसला मिलता है। हमारा हौसला आपकी ताकत और इस भीड़ से है। भीड़ को देखकर उपेंद्र कुशवाहा गदगद हो गए और कहा कि यह बदलाव का संकेत है।

चुनाव आयोग की दोबारा अपील, लिखित शिकायत दें राहुल गांधी

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा
चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी को सार्वजनिक मंचों से आरोप लगाने की बजाय सीधा आयोग से संवाद की अपील की है। आयोग का कहना है कि आरोप लगाने के स्थान पर उन्हें अपनी शिकायतों को लिखित तौर पर आयोग को देना चाहिए और समय निकाल कर मुलाकात करनी चाहिए। सूत्रों का कहना है कि प्रक्रिया के अनुसार सार्वजनिक जानकारी है कि चुनाव आयोग सहित कोई भी संवैधानिक संस्था, तभी औपचारिक रूप से प्रतिक्रिया देती है जब संबंधित व्यक्ति लिखित में पत्र भेजता है। यह भी आश्चर्यजनक है कि "राहुल गांधी एक ओर इन मुद्दों को बेहद गंभीर बता रहे हैं लेकिन जब उन्हें लिखित रूप में देने की बात आती है, तो पीछे हट जाते हैं।" दूसरी ओर, जब कांग्रेस को 15 मई को आयोग से मिलने का आमंत्रण दिया गया, तब उसने आगे मिलने के लिए समय माँग लिया और पीछे हट गई। चुनाव आयोग के सूत्रों ने राहुल गांधी की चुप्पी पर आश्चर्य जताया है। आयोग ने कहा कि 24 घंटे बीतने के बाद भी राहुल गांधी ने न तो कोई पत्र लिखा और न ही मिलने का समय माँगा। ह्वे अपने आरोपों को गंभीर बताते हैं लेकिन उन्हें लिखित रूप में देने से बच रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि वास्तव में राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में कांग्रेस उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों, पोलिंग और काउंटिंग एजेंटों की आलोचना कर दी है। दूसरी ओर, आयोग द्वारा पूरे देश में नियुक्त 10.5 लाख बूथ लेवल अधिकारी, 50 लाख पोलिंग अधिकारी और 1 लाख काउंटिंग सुपरवाइजर उनके इन निराधार आरोपों से नाराज हैं, जो उनकी ईमानदारी और मेहनत पर सवाल उठाते हैं। वहीं, सीसीटीवी फुटेज को लेकर आयोग का कहना है कि किसी भी चुनाव याचिका में उच्च न्यायालय मतदान केंद्रों की सीसीटीवी फुटेज की जाँच कर सकता है।

राहुल मतदाताओं की गोपनीयता क्यों भंग करना चाहते हैं?

यह व्यवस्था चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखने और मतदाताओं की गोपनीयता की रक्षा के लिए है। ऐसे में राहुल गांधी या उनके एजेंट मतदाताओं की गोपनीयता क्यों भंग करना चाहते हैं? क्या उन्हें उच्च न्यायालयों पर भी भरोसा नहीं है? उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर पांच बिंदुओं पर कथित चुनावी गड़बड़ियों की बात कही थी।

एनडीए की मजबूती के लिए मेरी पार्टी 243 सीटों पर लड़ेगी चुनाव: चिराग

भोजपुर /लोक प्रेरणा
बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस सिलसिले में केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और यह लड़ाई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ठऊअ) को मजबूत करने के उद्देश्य से लड़ी जाएगी। भोजपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही।

243 सीटों पर लड़ने का ऐलान,

एनडीए की जीत को बताया लक्ष्य
चिराग पासवान ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी किसी भी तरह से एनडीए से अलग नहीं है, बल्कि उनका लक्ष्य गठबंधन को और अधिक मजबूती देना है। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी और मैं बिहार की 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे ताकि ठऊअ को मजबूती मिले और हम एकजुट होकर विजय की ओर बढ़ें।

पूर्व चीफ जस्टिस खन्ना ने जस्टिस वर्मा से इस्तीफा मांगा था

नहीं दिया तो पद से हटाने की सिफारिश की

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा
पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना ने इनहाउस रिपोर्ट के आधार पर जस्टिस यशवंत वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा था। इसके लिए राजी ने होने पर सीजेआई खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर जस्टिस वर्मा को हटाने की सिफारिश की थी। केंद्र सरकार जस्टिस वर्मा को पद से हटाने के लिए संसद के मानसून सत्र में प्रस्ताव ला सकती है। कानूनी जानकारों के मुताबिक अगर वे इस्तीफा देते हैं तो उन्हें रिटायर्ड

जज की तरह पेंशन और अन्य लाभ मिलेंगे। संसद में प्रस्ताव लाकर हटाए जाने पर पेंशन वगैरह कुछ नहीं मिलेगा। दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लग गई थी। आग बुझाने पहुंची फायर सर्विस टीम को बोरियों में भरे 500-500 रुपए के अधजले नोट मिले थे। मामला बढ़ने पर उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि, उन्हें कोई भी न्यायिक काम नहीं दिया जा रहा है।

संसद में मौखिक इस्तीफा भी दिया जा सकता है कानूनी जानकार बताते हैं कि जस्टिस वर्मा संसद के किसी भी सदन में सांसदों के सामने अपना पक्ष रखते हुए पद छोड़ने की घोषणा कर सकते हैं। उनके मौखिक बयान को ही इस्तीफा मान लिया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार, हाईकोर्ट का जज राष्ट्रपति को अपना साइन किया त्यागपत्र दे सकते हैं। जज के इस्तीफे के लिए किसी अनुमोदन

जस्टिस वर्मा का परिवार ही स्टोर रूम इस्तेमाल करता था

जज अपनी चिट्ठी में पद छोड़ने की तारीख भी लिख सकते हैं। ऐसे मामले में वे उस तारीख से पहले इस्तीफा वापस भी ले सकते हैं। जस्टिस वर्मा का परिवार ही स्टोर रूम इस्तेमाल करता था जिस स्टोर रूम में आग लगने के बाद जली नकदी मिली थी, वह जस्टिस वर्मा और उनके परिवार के कब्जे में था। तब के सीजेआई संजीव खन्ना ने मामले की जांच के लिए 22 मार्च को इनहाउस पैनल बनाया था। पैनल ने 4 मई को सीजेआई को दी अपनी रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया था। पैनल ने इलेक्ट्रॉनिक सबूतों, गवाहों और जांच के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला था।

मोदी का नेतृत्व न होता तो सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर संभव नहीं होते: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ/लोक प्रेरणा
उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पार्टी और उसके नेतृत्व पर निशाना साधते हुए रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर एक तीखा बयान जारी किया। उन्होंने लिखा कि अगर देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा दृढ़ और निर्णयक्षम नेतृत्व न मिला होता, तो सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे ऐतिहासिक कदम कभी नहीं उठाए

जा सकते थे। मौर्य ने कांग्रेस के शासनकाल को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा, "कांग्रेस के समय भी सेना सक्षम थी, लेकिन नेतृत्व कमजोर और कायर था। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था, लाखों कश्मीरी पंडितों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा, सुरक्षा बलों और आम नागरिकों पर लगातार आतंकी हमले होते रहे, हजारों निर्दोष जानें गईं।" उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि "राहुल गांधी जैसे नेता सिर्फ बयानबाजी करते हैं। देशहित में निर्णायक और साहसी कदम उठाना कांग्रेस के बस की बात नहीं है।"

जनता ने राहुल को नकारा, वे जनादेश नकार रहे: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई/लोक प्रेरणा
महाराष्ट्र में 2024 के विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरफ से लगाए गए 'मैच फिक्सिंग' के आरोपों ने बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। राहुल गांधी ने एक अखबार में लेख लिखकर चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए, जिसे लेकर बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। **सीएम फडणवीस ने राहुल गांधी पर साधा निशाना**

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, 'मैं राहुल गांधी से बस एक बात कहना चाहता हूं कि वो पूरी जिंदगी एक ही गलती करते रहे, गंदगी उनके चेहरे पर थी, लेकिन वो आईना साफ करते रहे।'

मंत्री आशीष पटेल की टेढ़ी नजर से हिली पुलिस, चंद घंटों में दबोचे गए हमलावर गुंडे

कानपुर नगर (बिल्हौर)/लोक प्रेरणा
योगी सरकार में कानून का राज सिर्फ कागजों पर नहीं, हकीकत में भी दिखता है – इसका ताजा उदाहरण बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के खासपुर गांव में सामने आया, जहां कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल की सख्त कार्यशैली और दबंग नेतृत्व के चलते पुलिस को चंद घंटों में ही गुंडों को गिरफ्तार करना पड़ा। घटना पूर्व प्रधान अशोक कटियार पर हुए कातिलाना हमले से जुड़ी है, जिसमें हमलावर कई दिन से

खुलेआम घूम रहे थे। स्थानीय पुलिस ने इस मामले में लंबे समय तक लापरवाही दिखाई, जिससे न केवल पीड़ितों में भय व्याप्त था, बल्कि शासन की छवि को भी नुकसान पहुंच रहा था।

मंत्री ने स्वयं संभाला मोर्चा, गांव पहुंचे लाव-लश्कर के साथ
शनिवार को कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल खुद खासपुर गांव पहुंचे। अपने साथ उन्होंने अफसरों का पूरा अमला और पुलिस प्रशासन को भी सक्रिय किया। गांव में पहुंचते ही उन्होंने साफ संदेश दिया– ह्लउत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं। गुंडई करने वालों की जगह सिर्फ जेल है। मंत्री के दौरे और फटकार के बाद पुलिस की नींद टूटी और केवल चंद घंटों में ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025: पहले किसान केवल एक-दो फसल तक सीमित रहता था, आज मक्का उत्पादन करके भी कमा रहा मुनाफा: योगी

पिछली सरकार जनता से मक्कारी करती थी, हम मक्का उत्पादन बढ़ाते हैं: सीएम योगी

औरैया/लखनऊ/लोक प्रेरणा
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहाकि आईसीआर के लैब में बैठे वैज्ञानिकों, कृषि विवि के प्राध्यापकों और कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों को केंद्र व राज्य की डबल इंजन सरकार ने पहली बार किसान के खेत तक भेजने का कार्य किया है। लैब टू लैंड की प्रक्रिया, बीज से बाजार तक किसान के हित को सर्वोपरि मानते हुए चलाए गए अभियान का हिस्सा है। जिस प्रदेश में किसान पहले केवल एक-दो फसल तक सीमित रह जाता था, आज वहां तीसरी फसल (मक्का) का पांच लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उत्पादन करके किसान अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं और यही किसान के परिवर्तन का आधार है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 के तहत रविवार को जनता डिग्री कॉलेज अजीतमल औरैया में मक्का किसानों से संवाद किया। सीएम ने प्रगतिशील किसानों का सम्मान, किसानों को मिनी किट का वितरण व विभिन्न योजनाओं के पात्रों को अनुदान भी वितरित किया। मुख्यमंत्री ने स्टॉल का अवलोकन किया, बच्चों का अन्नप्राशन कराया और पौधरोपण भी किया। इस दौरान किसानों ने भी अपने विचार रखे।

मकई की खेती के माध्यम से मोदी जी के विकसित भारत अभियान को ऊंचाई तक पहुंचाने का दिख रहा संकल्प
मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी के विकसित भारत के अभियान को नई ऊंचाई तक पहुंचाने का संकल्प यूपी के 20-25 जनपदों में मकई की खेती के माध्यम से देखने को मिल रहा है। एक किसान प्रति हेक्टेयर ढाई लाख रुपये की आमदनी कर रहा है।

यानी एक लाख रुपये की प्रति एकड़ आय हो रही है। वह तीन फसल (आलू, मकई व धान) बो सकता है। अन्नदाता किसान अपने पुरुषार्थ से देश की समृद्धि में सहायक हो रहा है। सीएम ने कहाकि 9 जून को पीएम मोदी के 11 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। पीएम मोदी ने भारत को दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में स्थापित किया है।

गांव, गरीब, किसान, मजदूर, दलित, वंचित, पिछड़ा समेत सभी के हितों को संरक्षण करते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत विरासत व विकास की यात्रा को अनवरत बढ़ा रहा है।

2014 में पहली बार सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बना किसान: सीएम योगी

गांव, गरीब, किसान, मजदूर, दलित, वंचित, पिछड़ा समेत सभी के हितों को संरक्षण करते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत विरासत व विकास की यात्रा को अनवरत बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में पहली बार अन्नदाता किसान किसी सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बना। पहली बार स्वायल हेल्थ कार्ड हर किसान को उपलब्ध हुआ। इसके बाद प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई, प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। देश में 12 करोड़ और यूपी में 2.86 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिला।

गुर्जर महापंचायत में दो फाड़, नाराज युवा गुट ने रोकी ट्रेन

भरतपुर/लोक प्रेरणा
पीलूपुरा में चल रही गुर्जर महापंचायत को लेकर समाज में दो गुट बन गए हैं। संयोजक विजय बैसला ने महापंचायत समाप्ति की घोषणा कर दी, क्योंकि सरकार का मसौदा सुनकर वरिष्ठों ने निर्णय लिया था। सरकार की ओर से भेजे गए ड्राफ्ट मसौदा पर बनी सहमति। इस फैसले से नाराज युवाओं ने रेलवे ट्रैक पर जाकर ट्रेन को रोक दिया और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। रेलवे ट्रैक को अवरुद्ध कर दिया। प्रदर्शनकरियों का कहना है कि हम विजय बैसला का निर्णय नहीं मानते। यह महापंचायत शहीद स्मारक कारवारी पीलूपुरा में आयोजित की गई थी। पंच पटेल युवाओं को समझाने का प्रयास कर

रहे हैं, जबकि युवाओं का कहना है कि वे सरकार के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया है और स्थिति को संभालने का प्रयास किया जा रहा है।

भरतपुर में बयाना के पीलूपुरा में अप्रत्याशित रूप से महापंचायत समाप्त होने के बाद गुर्जर समाज के लोगों ने मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर मथुरा गंगापुर ट्रेन को रोका है।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

घरौंडा मेरा परिवार है, विकास के लिए वचनबद्ध हूं: विधानसभा अध्यक्ष कल्याण

घरौंडा विधानसभा क्षेत्र में 2 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत से पांच विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया

लोक प्रेरणा
करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने शनिवार को घरौंडा विधानसभा क्षेत्र में 2 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत से पांच विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इनमें से चार परियोजनाओं का शिलान्यास (1.62 करोड़ रुपये) और एक का उद्घाटन (56 लाख रुपये) किया गया।

चौरा गांव में रामलीला ग्राउंड में हॉल निर्माण की घोषणा करते हुए श्री कल्याण ने आश्वासन दिया कि यदि पंचायत जमीन उपलब्ध कराएगी तो पुस्तकालय भी बनवाया जाएगा। उन्होंने चौरा गांव में 18 लाख की लागत से तोमर चौपाल हॉल और 10 लाख रुपये की लागत से महिला मीटिंग हॉल का शिलान्यास किया।

उन्होंने 93 लाख रुपये की लागत से कैमला रोड से गढ़ी मुल्तान कॉलोनी तक 850 मीटर लंबी सड़क के निर्माण का शिलान्यास भी किया, जिसका निर्माण कार्य 6 माह में पूरा किया जाएगा।

अराईपुरा गांव के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मल्टी एक्टिविटी हॉल का शिलान्यास भी हुआ, जिसकी लागत 56.50 लाख रुपये है। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद इस निर्माण कार्य को अप्रैल 2026 तक पूरा करेगी।

इसके अतिरिक्त, अलीपुर खालसा-बरसत-पुंडरी मार्ग से गांव पुंडरतक तक 700 मीटर सड़क के उद्घाटन कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि यह कार्य मंडी बोर्ड द्वारा 56 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया है।

महिला हॉल और शिक्षा पर विशेष ध्यान

विधानसभा अध्यक्ष ने घोषणा की कि उन गांवों में जहां महिला चौपाल या मीटिंग हॉल नहीं हैं, वहां अगले 2-3 वर्षों में इनके निर्माण कार्य सुनिश्चित किए जाएंगे। चौरा में स्कूल भवन निर्माण की स्वीकृति के साथ टंकी के पास एक और स्कूल बनवाने की भी बात कही।

ज्ञानपुरा मंदिर में 15 दिन में होगा हॉल का निर्माण शुरू

श्री कल्याण ने बताया कि ज्ञानपुरा मंदिर में 51 लाख की लागत से बनने वाला हॉल 15 दिन में शुरू हो जाएगा। वहीं कॉलोनी की गलियों के निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो चुके हैं।

अराईपुरा की एनसीसी अकादमी देश में तीसरी सबसे बड़ी

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अराईपुरा की एनसीसी अकादमी देश की तीसरी सबसे बड़ी अकादमी होगी। इस साल के अंत तक कार्य शुरू होने की उम्मीद है। इससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

जन संवाद और प्रेरणा

अपने संबोधन में श्री कल्याण ने लोगों से आपसी लड़ाई-झगड़ों से दूर रहने, बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देने, और सामूहिक कार्यों में भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के रूप में नई जिम्मेदारी मिलने के बावजूद वे हलके को पूरा समय देते रहेंगे।

उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

इस अवसर पर एसडीएम राजेश सोनी, डीईओ सुदेश ठुकराल, एसडीओ जयभगवान, बीईओ रविंद्र कुमार, जेई निशांत राणा, प्रिंसिपल अनीता, चौरा के सरपंच प्रमोद कुमार, नगर पालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, भाजपा नेता रोहित भंडारी, मंजू खैंची, नरेश, जगदीश राणा, राजेश जोगी, संदीप, विजय राणा, धीरज खरकाली सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।
फोटोः02

हरियाणा शिक्षा विभाग पार्ट टाइम सफाई कर्मचारी की जिला कार्यकारिणी का गठन-अनिल कुमार को बनाया गया जिला प्रधान

लोक प्रेरणा
लोहारू। हरियाणा शिक्षा विभाग पार्ट टाइम सफाई कर्मचारी एसोसिएशन चतुर्थ श्रेणी की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता राज्य प्रधान तेजराम ने की। बैठक के दौरान कर्मचारियों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और कर्मचारी सदस्यता फार्म भरे गए। बैठक में सर्वसम्मति से जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। अनिल कुमार को जिला प्रधान चुना गया।

यह जानकारी देते हुए राज्य प्रधान तेजराम ने बताया कि शिक्षा विभाग पार्ट टाइम सफाई कर्मचारी एसोसिएशन चतुर्थ श्रेणी बैठक आयोजित कर जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया है। बैठक में सर्वसम्मति से अनिल कुमार को जिला प्रधान, विजय लक्ष्मी को उप प्रधान, सचिव नरेश कुमार, उप सचिव सोमवीर, कोषाध्यक्ष महेंद्र नेहरा, प्रेस सचिव हजारी लाल झांझड़ा, भागीरथ को एसोसिएशन का सलाहकार नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त प्रधान अनिल कुमार ने कहा कि उनको प्रधान पद की जिम्मेवारी मिली है इसका वे बखूबी निर्वहन करेंगे और कर्मचारियों की आवाज को बुलंद करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। बैठक के बाद सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

प्रेम विज की प्रतिनिधि कविताओं में अनुभव की प्रामाणिकता मिलती है : डॉ मनमोहन सिंह

प्रेम विज की कविताएं सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यक्तिगत अनुभवों का जीवंत दस्तावेज : डॉ. विनोद शर्मा

अमूल्या
चंडीगढ़। काव्य संग्रह "प्रेम विज की प्रतिनिधि कविताएं" का विमोचन सैक्टर 43 ए में हुआ। इसका संपादन सुप्रसिद्ध साहित्यकार आचार्य राजेश कुमार ने किया है। कार्यक्रम का आयोजन संवाद साहित्य मंच और आचार्य कुल संस्था, चंडीगढ़ की ओर से किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहित्यकार जसवंत सिंह जफर, निदेशक भाषा विभाग पंजाब और अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार व चिंतक और चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह ने की। इस अवसर पर आचार्य कुल के अध्यक्ष के. के. शारदा, विद्या धाम यू. एस. ए की अध्यक्षा डॉ. सरिता मेहता और पार्षद प्रेमलता बतौर विशेष अतिथि उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन शायरा डॉ. संगीता शर्मा कुंद्रा 'गीत' ने किया और पुस्तक पर प्रपत्र कविवर डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पल्लवी रामपाल द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ तत्पश्चात पुस्तक का विमोचन हुआ।

पुस्तक पर प्रपत्र पढ़ते हुए डॉ. विनोद शर्मा ने सभी कविताओं का मूल्यांकन करते हुए कहा कि प्रेम विज की कविताएं सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यक्तिगत अनुभवों का जीवंत दस्तावेज है। उनकी कविताएँ शब्दों की बजाय संवेदनाओं से संवाद करती हैं। कविताओं में नारी व्यथा, सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रकृति, देश प्रेम और वैचारिक सरोकार मिलते हैं। भाषा और भाव में गंभीरता है। के. के. शारदा ने कहा कि प्रेम विज की कविताएं नई पीढ़ी को प्रेरणा देंगी। अमेरिका से पधारी कवियत्री डॉ. सरिता मेहता ने कहा कि प्रेम विज की कविताओं में समाज की विषमताएँ मिलती हैं। शायर अशोक नादिर ने फरमाया कि प्रेम विज ने जो कुछ भी अपने आसपास देखा उसे इन कविताओं में व्यक्त किया है। मुख्य अतिथि के रूप में साहित्यकार जसवंत सिंह 'जफर' ने कहा की कविताओं में विविध विषय हैं। प्रकृति चित्रण काफी अच्छा लगा। अध्यक्षता करते हुए प्रसिद्ध कवि व चिंतक डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा कि प्रेम विज की कविताओं में प्रेम प्रमुख तत्व है। कविताओं में अनुभव की प्रमाणिकता मिलती है। इसके अलावा मिथक का सुंदर प्रयोग किया गया है। काव्य पाठ में पल्लवी रामपाल, परविंदर सोनी, डॉ. प्रज्ञा शारदा, अंजू मोदगिल, सुभाष शर्मा, डॉ. उमा शर्मा, राज विज, डॉ. संगीता शर्मा कुंद्रा 'गीत', डॉ. सरिता मेहता, पॉल अजनबी, आर. के. भगत, सतवंत कौर गिल, राजेंद्र सिंह, डॉ. विनोद शर्मा, राकेश शर्मा, प्रिं. बहादुर सिंह गोसल, विमला गुगलानी, नितिन रामपाल, प्रेमलता आदि ने कविताओं से खूब वाहावाही लूटी।

रामलीला परिषद के सह प्रबंधक पतराम यादव की स्मृति में शोक सभा का आयोजन

लोक प्रेरणा
सतनाली। श्री रामलीला परिषद के सह प्रबंधक पतराम यादव की स्मृति में परिषद प्रांगण में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में परिषद परिवार के सदस्यों सहित नगर के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। शोक सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्व. पतराम यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए परिषद के कार्यकारी प्रधान अमित मिश्रा ने कहा पतराम यादव समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का बखूबी निर्वहन करते थे। अपनी सरकारी सेवाओ से निवृत होने के बाद उन्होंने अपना अधिकतम समय समाजसेवा के कार्यों में लगाया। उनके निधन से नगर को एक बड़ी क्षति हुई है। कला परिषद के पूर्व निदेशक अनिल कौशिक ने कहा कि पतराम यादव एक सामाजिक व्यक्ति थे। रामलीला परिषद में एक कलाकार और पदाधिकारी के रूप में उन्होंने लंबे समय समय तक काम किया । प्रवक्ता रमेश टाँक ने कहा कि पतराम यादव नगर की विभिन्न संस्थाओं में एक स्तंभ के रूप में काम किया करते थे। उनके निधन से नगर में शोक की लहर है। इस अवसर पर घीसाराम सैनी, रमेश कौशिक, आनंद शर्मा, नरेश जोशी, रामचंद्र जांगड़ा, अतुल दीवान, राजेन्द्र पोपली, सतीश गौड़, मामन गोस्वामी, एमएल शर्मा, गिरधर गोपाल, रामबाबू गोयल, सुनील गर्ग, दिनेश दत्त, सूर्यप्रकाश कौशिक, आनंद सोनी, सुभाष तिवाड़ी, सुरेश पंचोली, सुनील यादव, शेर सिंह सहित नगर के अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

मातृभाषा पर अच्छी पकड़ होने से अध्ययन करना हो जाता है काफी सरल: राजेंद्र प्रसाद

लोक प्रेरणा
लोहारू। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप मातृभाषा और बहु भाषावाद को प्रोत्साहित करने के लिए स्वतंत्रता सेनानी चौधरी जगराम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गिगनाऊ मे ग्रीष्म कालीन अवकाश के दौरान आयोजित सात दिवसीय शिविर का रविवार को समापन किया गया। इस दौरान शिविर के प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विद्यालय प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि यदि हम मातृभाषा को अच्छी तरह सीख लेते हैं तो दूसरे विषयों का अध्ययन सरल हो जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, पंजाबी भाषा पर पकड़ होना आवश्यक है। शिविर के बारे मे विस्तार से जानकारी देते हुए विद्यालय के राजनीती विज्ञान प्रवक्ता श्यामसुंदर सांगवान ने बताया कि विद्यालय में दो जून से आठ जून तक आयोजित भाषा आधारित शिविर मे कुल 28 घंटे तक विभिन्न गतिविधियां करवाई गई जिसमे संगीत, कला, योग अभ्यास, भाषा आधारित गतिविधि करवाई गई। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को स्थानीय महत्वपूर्ण मंदिरों, भवनों और प्रतिष्ठानों का भ्रमण भी करवाया गया। प्रतिभागी छात्राओं ने दादा गढ़वाला मंदिर, चमत्कारी शिव मंदिर, उत्कृष्ट बागवानी केंद्र, बाबा मड़िया महाराज मंदिर आदि स्थलों का भ्रमण किया। विद्यालय भौतिक प्रवक्ता नरेंद्र गहलावत ने बताया कि इस तरह के शिविरों से विद्यार्थियो का सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से वर्चुअल टूर छात्राओं का विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का करवाया गया। शिविर में डॉ मधुलिका यादव, शकुंतला मान, नीलम जाखड़, नरेंद्र गहलावत, श्यामसुंदर सांगवान, मुनिया रानी, सुकीर्ति, पुष्पा जोशी, सपना, अनिल कुमार, संजय तंवर, मुकेश शर्मा, हरीश आदि उपस्थित रहे।

सतनाली में तापमान 44 डिग्री के करीब, तेज धूप व गर्म हवाओं के साथ उमस ने बढ़ाई बेचैनी

तापमान में आई बढ़ोतरी के बाद बाजारों से रौनक हुई गायब

लोक प्रेरणा
सतनाली। गत सप्ताह सतनाली व आसपास क्षेत्र में हुई बरसात के बाद जहां गर्मी व उमस से लोगों को काफी राहत मिली थी वहीं तापमान में भी गिरावट आई थी। लेकिन शुक्रवार के बाद से ही एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल गया है तथा तीन दिन से तापमान में निरंतर वृद्धि होने से सुबह से ही तेज धूप निकलने के साथ-साथ गर्मी व उमस का माहौल बन रहा है। तापमान में वृद्धि होने से बाजारों में रौनक भी कम हो गई है तथा सुबह 10 बजे से ही सूर्यदेव अपना असर दिखा रहे है जिस कारण दोपहर में तेज धूप व गर्मी के साथ पिछले सप्ताह की तरह ही गर्म हवाएं चलने लगी है जो शाम तक जारी रहती है। रविवार को भी सतनाली के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। सतनाली का अधिकतम तापमान 44 डिग्री के आसपास रहा जबकि तीन-चार दिन पहले अधिकतम तापमान में 38 डिग्री के आसपास रहा था। मौसम के बदले रूख का असर कस्बे के बाजारों, मंडियों पर भी दिखाई दे रहा है तथा बाजार में मात्र कुछ लोग ही नजर आ रहे है। दुकानदार भी पूरा दिन कूलर पंखे व एसी के आगे आराम फरमा रहे है। हालांकि बाजार में सुबह 11 बजे तक तथा सांय 4 बजे के बाद ग्राहक बाजार में नजर आ रहे है। दोपहर 12 बजे से लेकर तीन बजे तक अधिक गर्मी के कारण बाजार पूरी तरह सुनसान दिखाई दे रहे है।

क्या कहते है चिकित्सकः-

गर्मी के मौसम के दौरान तापमान में हो रहे बदलाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी डॉ विकास गोयल ने बताया कि मौसम में आ रहे बदलाव, तापमान में उतार, चढ़ाव, हवाओं में नमी की मात्रा बढ़ने के चलते स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है। इन दिनों स्वाभाविक तौर पर संक्रमण व वायरस से जुड़ी बीमारियां तेजी से फैलती हैं। बच्चों और बुजुर्ग को अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। शरीर में पानी की कमी न होने दे तथा कड़ी धूप में बाहर निकलने से परहेज करे। किसी भी प्रकार की बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत समीप के चिकित्सक से जांच करवाएं। खानपान व स्वच्छता प्रति भी विशेष सावधानियां बरतना बेहद जरूरी है।

शीतल पेयजल पदार्थों, फलों की बढ़ी मांगः-

क्षेत्र में एक बार फिर तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही गर्मी व उमस बढ़ने के साथ ही कस्बे के बाजारों व मुख्य सड़क मार्गों पर शीतल पेयजल पदार्थों कोल्ड ड्रिंक्स, आइसक्रीम, कुल्फी, मैंगो शेक, मिल्क शेक, गन्ने का रस इत्यादि की मांग में भी इजाफा हुआ है। जिस कारण शीतल पेय पदार्थों की मांग बढ़ गई है तथा इस बार लोग खुले जूस की बजाय डिब्बाबंद जूस खरीदने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

लू व गर्मी से पशुधन के बचाव के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने उठाए आवश्यक कदम : महानिदेशक डॉ एलसी रंगा

- महानिदेशक डॉ एलसी रंगा ने जारी की पशुओं को लू से बचाव के उपायों की एडवाइजरी

▶▶ I, पशुओं को ताजा और साफ पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराएं। पशुओं को उच्च गुणवत्ता वाला हरा चारा, संतुलित आहार तथा खनिज मिश्रण दें

लोक प्रेरणा
सतनाली। पशुपालन विभाग के महानिदेशक डॉ एलसी रंगा ने कहा कि प्रदेश में लू व गर्मी के प्रभाव से पशुधन के बचाव के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने आवश्यक कदम उठाए हैं। केन्द्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी सभी कार्यालयों को भेजकर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश के सभी उपनिदेशकों को अपने जिले के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। विभाग द्वारा प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अतिरिक्त पशु चिकित्सालय एवं औषधालयों पर कार्यरत अमले के माध्यम से पशुपालकों को पशुधन को लू व गर्मी से बचाने के उपायों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। महानिदेशक डॉ एलसी रंगा ने बताया कि सभी उपनिदेशकों को अपने जिले की पशु संस्थाओं में आवश्यक दवाइयों का स्टॉक रखने के निर्देश दिए गए हैं जिसके लिए उन्हें आवश्यक बजट जारी कर दिया गया है। इसके अलावा, विभाग के अमले को पशु संस्थाओं में बनी हुई पानी की खालों की मरम्मत करवा कर उनमें पानी भरवाने के भी निर्देश दिए गए हैं। साथ ही विभाग ने पशुओं को मुंह खुर व गलघोटू आदि रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण समय पर पूरा कर लिया है। डॉ. एलसी रंगा ने बताया कि पशुधन को लू के प्रकोप से बचाने के लिए पशुपालकों द्वारा विभिन्न उपाय किए जाने चाहिएं। पशुओं को छाया वाले स्थान जैसे पेड़, शेड या छत वाली संरचनाओं में रखें ताकि वे धूप से बच सकें। पशु आवास की छतों को पुआल या टाट आदि से ढक दें या इंसुलिन लगाएं ताकि बाड़े में गर्मी कम हो। पशु आवास में पंखे, स्प्रिंकलर या फगर का उपयोग करें ताकि हवा का संचार और ठंडक बनी रहे। खिड़कियाँ और दरवाजे खोलकर रखें और उन पर गीले बोरे लटकाएं ताकि प्राकृतिक ठंडक मिल सके।

इसके अलावा, पशुओं को ताजा और साफ पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराएं। पशुओं को उच्च गुणवत्ता वाला हरा चारा, संतुलित आहार तथा खनिज मिश्रण दें ताकि पशु के शरीर में पोषक तत्वों की कमी न हो। पशुओं को चारा दिन के ठंडे समय में खिलाएं। पशुओं को सुखी तूड़ी न खिलाएं। तूड़ी को खिलाने से पहले एक मुट्ठी नमक तथा एक मुट्ठी खनिज मिश्रण तथा दरदरा पिसा हुआ अनाज मिलाकर कम से कम एक घंटे के लिए पानी में भिगो दें।

संगठन में संघर्ष के साथी कार्यकर्ताओं को दी जाए वरीयता : अंकित गुप्ता

लोक प्रेरणा
कुरुक्षेत्र। आल इंडिया लॉयर्स फौरम के प्रदेश महासचिव, कांग्रेसी नेता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अंकित गुप्ता ने कहा कि वे कितने ही ऐसे कार्यकर्ताओं को जानते हैं जिन्होंने पार्टी का हर परिस्थिति में झंडा बुलंद रखा, जिन कार्यकर्ताओं ने सालों से तन-मन-धन से पार्टी को मजबूत किया, उन्हें बार-बार अनदेखा किया जाता है। गुप्ता ने हरियाणा कांग्रेस में चल रही संगठनात्मक बैठकों को लेकर सवाल उठाए। संगठन में कार्यकर्ताओं की अनदेखी के मुद्दे पर सवाल पर उन्होंने कहा, हरियाणा कांग्रेस में संगठनात्मक बैठकों का दौर बार-बार चलता रहता है। लेकिन अब ये बैठकें अक्सर एक औपचारिकता और दिखावा सा बनकर रह गई हैं। काबिलेगौर है कि एडवोकेट अंकित गुप्ता कांग्रेस पार्टी से थानेसर विधानसभा सीट के लिए 2019 और 2024 में सशक्त दावेदार रह चुके हैं। गुप्ता ने कहा जब टिकट और संगठन में जिम्मेदारी देने की बारी आती है, तो अक्सर दूसरी पार्टियों से आए लोगों को वरीयता दी जाती है और असली कार्यकर्ताओं की मेहनत और संघर्ष को नजरअंदाज कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अब अपनी पुरानी गलतियों को सुधारना चाहिए और उन कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारी देकर उनकी मेहनत का सम्मान करना चाहिए, जिन्होंने विपरीत परिस्थिति में पार्टी का झंडा बुलंद रखा।

अपनी असीम ऊर्जा से राष्ट्र निर्माण कर सकता है युवा वर्गः मनोज गौतम

-सकारात्मक सोच और कड़ी मेहनत से बड़े से बड़ा लक्ष्य किया जा सकता हैं हासिल: मनोज गौतम

लोक प्रेरणा
सतनाली। युवाओं की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, हम एक मजबूत और विकसित राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। युवा देश की वो ऊर्जा और शक्ति हैं जो देश को प्रगति और विकास की ओर ले जा सकते हैं। युवा अपने ज्ञान कौशल, स्वयंसेवा, राजनीतिक भागीदारी, रोजगार सृजन, सामाजिक जागरूकता, सकारात्मक सोच और असीम ऊर्जा लेकर एक सुदृढ़ नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। युवा अपने असीम शक्ति और

सकारात्मक सोच से बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल कर सकता है। हमारे इतिहास में अनगिनत ऐसे उदाहरण हैं जब युवाओं ने देश को नई दिशा और दशा देने का कार्य किया है। यह विचार सवेरा

स्वयंसेवी संस्था के प्रदेश अध्यक्ष मनोज गौतम ने सतनाली के एक निजी संस्थान में "राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान" विषय पर बतौर मुख्य वक्ता विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर निजी संस्थान संचालक देवेंद्र शेखावत ने बताया कि युवाओं को कोचिंग के साथ साथ एक अच्छा नागरिक बनाने के लिए समय समय पर बच्चों को मोटिवेशनल स्पीकर के द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। आज मनोज गौतम के रूप में प्रदेश के एक श्रेष्ठ वक्ता और मोटिवेशनल स्पीकर को हमने आमंत्रित करके बच्चों को प्रेरित किया है। मनोज गौतम ने बच्चों में एक नई ऊर्जा का संचार किया है। आने वाले समय में यह ऊर्जा युवाओं को सफलता के मुकाम तक लेकर जाएगी।

देश के हर परिवार तक एलपीजी सिलेंडर बुकिंग के चंद घंटों में घर तक हो रहा डिलीवर: हरदीप पुरी

नई दिल्ली । केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि देश में 33 करोड़ से अधिक ग्राहकों को अब बुकिंग के कुछ घंटों के भीतर ही एलपीजी सिलेंडर की डोरस्टेप डिलीवरी मिलती है।

विश्व एलपीजी दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री पुरी ने इस व्यापक पहुंच और दक्षता का श्रेय हर घर तक स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन को सुलभ बनाने के सरकार के निरंतर प्रयासों को दिया। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि देश भर में, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों के खाना पकाने के तरीके में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने कहा, "पीएमयूवाई के तहत 10.33 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को मुफ्त में एलपीजी कनेक्शन दिया गया है, जिससे उन्हें पारंपरिक ईंधन से सुरक्षित और स्वच्छ एलपीजी में

परिवर्तन करने में मदद मिली।"

केंद्रीय मंत्री पुरी ने आगे कहा, "इस क्रांति ने रसोई के धुएं को कम कर न केवल स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार किया है, बल्कि महिलाओं के लिए कीमती समय भी बचाया है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।"

उन्होंने एलपीजी उत्पादन और वितरण में शामिल श्रमिकों के प्रयासों की भी सराहना की और कहा कि रसोई गैस नेटवर्क दूरदराज के गांवों से लेकर शहरी अपार्टमेंट परिसरों तक अब भारत के लगभग हर हिस्से को कवर करता है। उन्होंने कहा, "आज देश के दूरदराज के गांवों और दुर्गम क्षेत्रों से लेकर शहरी की इमारतों और बंगलों में स्वच्छ रसोई ईंधन के रूप में एलपीजी लोगों के जीवन को आसान बना रही है।"

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एलपीजी की कीमतों में लगभग 58 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन भारत में पीएमयूवाई लाभार्थियों को अभी भी 14.2 किलोग्राम का एलपीजी सिलेंडर मात्र 553 रुपए में मिल रहा है,

भोजन हमारी ऊर्जा का स्रोत, खाद्य सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी : जेपी नड्डा

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर कहा कि खाद्य सुरक्षा पर ध्यान देना स्वास्थ्य और कल्याण के लिए जरूरी है।

हर साल 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाता है, ताकि असुरक्षित भोजन से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को रोका, पहचाना और नियंत्रित किया जा सके।

इस साल का थीम ह्यखाद्य सुरक्षाः विज्ञान को अमल में लानाह्न है, जो खाद्य जनित बीमारियों को कम करने, लागत बचाने और जिंदगियां बचाने में वैज्ञानिक ज्ञान के महत्व पर जोर देता है।

जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर हम स्वच्छ और सुरक्षित भोजन की अहमियत को समझते हैं, जो स्वास्थ्य की रक्षा करता है और खाद्य जनित बीमारियों को रोकता है। भोजन हमारी ऊर्जा का स्रोत है। खाद्य सुरक्षा पर ध्यान देकर हम अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं।"

उन्होंने कहा कि इस साल का थीम विज्ञान और तकनीक के जरिए खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने का जश्न मनाता है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भी एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें लिखा है, "विज्ञान खाद्य सुरक्षा में अहम भूमिका निभाता है। प्रयोगशालाओं से लेकर मानक तय करने तक, विज्ञान हमें सही विकल्प चुनने में मदद करता है। समझदारी से चुनें, सुरक्षित खाएं!"

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या रासायनिक पदार्थों से दूषित भोजन 200 से ज्यादा बीमारियों का कारण बन सकता है। सुरक्षित भोजन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन सलाह देता है कि भोजन को साफ रखें, कच्चे और पके भोजन को अलग करें, अच्छी तरह पकाएं, सुरक्षित तापमान पर रखें और खाना बनाते समय साफ पानी का इस्तेमाल करें।

केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भी विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के मौके पर पोस्ट किया, जिसमें कहा, "विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर हम सुरक्षित खाद्य आदतों को अपनाने का संकल्प लें। सुरक्षित भोजन सभी की जिम्मेदारी है और यह स्वस्थ, मजबूत और सुरक्षित कल की नींव है।"

पीएम मोदी से मिले ब्रिटेन के विदेश मंत्री, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जताया समर्थन

नई दिल्ली। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने शनिवार को यहां भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ाने के प्रति ब्रिटेन की गहरी रुचि को रेखांकित किया और 22 अप्रैल के पहलगाम हमले की निंदा की तथा सीमापार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के लिए समर्थन जताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उल्लेखनीय प्रगति में उनके महत्वपूर्ण योगदान की

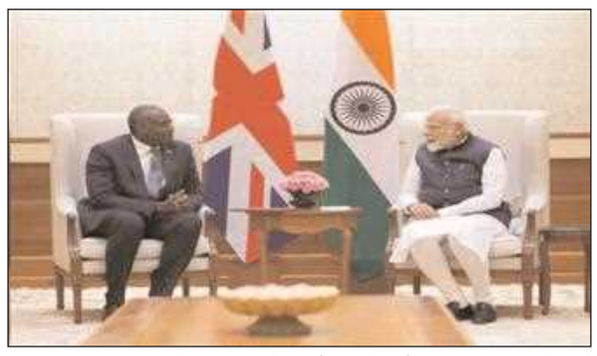

सराहना करता हूं, जिसे हाल ही में संपन्न एफटीए ने और मजबूत किया है। सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई में ब्रिटेन के समर्थन की सराहना करता हूं।"

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते और दोहरे योगदान सम्मेलन के सफल समापन पर संतोष व्यक्त किया और दोनों पक्षों द्वारा रचनात्मक सहयोग की सराहना की, जिसके कारण यह मील का पत्थर हासिल हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ती गति का भी स्वागत किया और भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी के गहराने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल के तहत निरंतर सहयोग का स्वागत किया और विश्वसनीय और सुरक्षित नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने की इसकी क्षमता का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, "विदेश मंत्री डेविड लैमी ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने में ब्रिटेन की गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एफटीए दोनों देशों के लिए नए आर्थिक अवसर खोलेगा।"

दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

बयान में कहा गया है, "ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के लिए समर्थन व्यक्त किया।

पिछले 11 वर्षों में कृषि के लिए संस्थागत ऋण 7.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 27.5 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के तहत पिछले 11 वर्षों में कृषि के लिए संस्थागत ऋण 7.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 27.5 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह जानकारी शनिवार को वित्त मंत्रालय की ओर से दी गई।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, "पीएम नरेंद्र मोदी ने सुनिश्चित किया कि अन्नदाता को समय पर वित्तीय सहायता मिले और इसके लिए उसे इंतजार न करना पड़े।

राहुल गांधी पर चुनाव आयोग का तंज, मैच हारने के बाद रेफरी को दोष देना नई आदत...

नई दिल्ली । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगातार राहुल गांधी के द्वारा लगाया जा रहा है। चुनाव आयोग की तरफ से राहुल गांधी के इस आरोप का एक बार पहले भी सिलसिलेवार तरीके से जवाब दिया जा चुका है। इसके बाद एक बार फिर से

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को महाराष्ट्र चुनाव में 'हेराफेरी' का बड़ा आरोप लगाया और एक-एक कर बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों में कैसे धांधली की गई और बीजेपी को फायदा पहुंचाया गया।

राहुल गांधी ने इसे 'चुनाव कैसे चुराया जाए?' नाम दिया।

दरअसल, अंग्रेजी अखबार में छपे 'मैच-फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक वाले लेख को राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। इसमें उन्होंने 'चुनाव कैसे चुराया जाता है?' के नाम से चरणबद्ध तरीके से बताया कि उनके अनुसार इस चुनाव में कैसे यह गड़बड़ी की गई। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में पर लिखा, 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की एक सुनियोजित योजना थी। उन्होंने ट्वीट में इसके साथ ही आगे यह भी दावा कर दिया कि बीजेपी की नजर अब बिहार विधानसभा चुनाव पर है, जो इस साल के अंत में होने वाला है। राहुल गांधी ने लिखा, महाराष्ट्र में जो मैच-फिक्सिंग हुई, वही अब बिहार में होगी और फिर यह हर उस जगह पहुंचेगी, जहां बीजेपी हार रही है।

इसका जवाब राहुल गांधी को एक बार फिर चुनाव आयोग की तरफ से दिया गया है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को जवाब देते हुए कहा है, "मैच हारने के बाद रेफरी को दोष देना अब एक नई और बेतुकी आदत बन चुकी है।"

चुनाव आयोग ने यह भी साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को उनके द्वारा किए गए सवालों का जवाब पहले ही 24 दिसंबर 2024 को दिया जा चुका है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने यह भी बताया कि उन्हें दिया गया जवाब चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोप को पूरी तरह बेबुनियाद और कानून का अपमान बताया।

चुनाव आयोग ने इसके साथ ही कहा कि इस तरह की भाषा लोकतंत्र के लिए जहर जैसी है। चुनाव आयोग को बदनाम करना, केवल एक संस्थान पर नहीं बल्कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला है।

इससे पहले भारतीय निर्वाचन आयोग ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर किए गए "आधारहीन" और "अनुचित" दावों का बिंदुवार जवाब दिया था और वास्तविक तथ्यों को सामने रखा था।

तब राहुल गांधी ने अमेरिका में एक कार्यक्रम में आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता के साथ समझौता किया गया है। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का तब उदाहरण दिया था। इसका जवाब चुनाव आयोग की तरफ से दिया गया था।

राहुल गांधी ने तब मतदान के आखिरी दो घंटों में 65 लाख वोट डाले जाने के चुनाव आयोग के "तर्क" पर सवाल उठाते हुए इसे "असंभव" बताया था।

चुनाव आयोग ने इसके बाद जारी बयान में कांग्रेस सांसद के दावों को खारिज करते हुए महाराष्ट्र चुनाव से जुड़े तथ्य और डेटा साझा किए थे। आयोग ने तब बताया था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान सुबह 7 से शाम 6 बजे तक कुल 6,40,87,588 मतदाता मतदान केंद्र पहुंचे और अपने वोट डाले। औसतन प्रति घंटे करीब 58 लाख वोट डाले गए। इन औसत रुझानों के हिसाब से अंतिम दो घंटों में लगभग 116 लाख मतदाताओं का वोट डालना संभव था।

निर्वाचन आयोग ने तब कहा था कि इसके अलावा उम्मीदवारों/राजनीतिक दलों द्वारा औपचारिक रूप से नियुक्त किए गए मतदान एजेंटों के सामने मतदान हो रहा था। कांग्रेस के नामित उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों ने अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और चुनाव पर्यवेक्षकों के समक्ष जांच के समय भी किसी तरह के असामान्य मतदान के संबंध में कोई पुख्ता आरोप नहीं लगाए थे।

रोजगार, महंगाई से त्रस्त लोग आत्महत्या कर रहे हैं तो कैसे दूर हुई गरीबी : जिग्नेश मेवाणी

नई दिल्ली । कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी ने विश्व बैंक की रिपोर्ट को मानने से इंकार किया है जिसमें कहा गया है कि भारत में अत्यधिक गरीबी की दर में उल्लेखनीय कमी देखी गई है। कांग्रेस विधायक ने कहा कि जिस देश में छात्र, किसान, बेरोजगार और युवा आत्महत्या कर रहा है वहां, गरीबी कैसे दूर हो गई?

शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण इस वक्त भारत में किसान, मजदूर जूझ रहा है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी ने युवाओं के साथ अन्य वर्गों की कमर तोड़ दी है। 25 करोड़ लोगों के सिर पर छत नहीं है। 500 रुपये के लिए आज भी दलित समुदाय के लोग नाले में उतरने को तैयार हैं। 500 से 700 रुपये के लिए कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करने वाले मजदूर मरने को तैयार हैं। छात्र, किसान, बेरोजगार युवा आत्महत्या कर रहे हैं। देश में ऐसी परिस्थिति है फिर कैसे कहे कि गरीबी दूर हो गई है।

राहुल गांधी की ओर से महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग वाले बयान पर कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि वह बिल्कुल सही बात कह रहे हैं। सिर्फ महाराष्ट्र की जनता नहीं, इसे पूरे देश ने देखा है। लाखों वोट जोड़ दिए जाते हैं, ईवीएम में छेड़खानी की बात सामने आती है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस मुद्दे को उठाते हैं। भाजपा और

आरएसएस का काम है कि वह चुनाव को सिर्फ बाधित करते हैं।

कांग्रेस विधायक ने कहा कि पिछले 10 साल से आरएसएस-भाजपा के लोगों ने कमजोर लोगों पर सिर्फ और सिर्फ अत्याचार किया है। देश में संविधान को मानने वाले लोगों में इस बात को लेकर कोई कंफ्यूजन नहीं है कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह, भाजपा और आरएसएस, बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान में यकीन नहीं रखते हैं, बल्कि वह मनुस्मृति में यकीन रखते हैं। आरएसएस-भाजपा के लोग पहले भी कह चुके हैं कि बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को समुद्र में फेंक दो। हमें भारत का संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए।

महाराष्ट्र चुनाव पर राहुल गांधी का मैच फिक्सिंग आरोप बिल्कुल सही : उदित राज

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता उदित राज ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर एक आर्टिकल शेयर किया है और दावा किया है कि जिस तरह से महाराष्ट्र चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की गई यह बिहार चुनाव में भी दोहराई जाएगी। क्योंकि, भाजपा जहां-जहां हारती है वहां हेराफेरी की जाती है। इस पर उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर मैच फिक्सिंग की बात बिल्कुल सही कही है।

उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी तथ्य के साथ बातचीत करते हैं। चुनाव आयोग ने समझौता किया। फर्जी वोट डाले गए, जिसका जवाब चुनाव आयोग नहीं दे पाया है। महाराष्ट्र की सरकार बेईमानों की सरकार है। इस चुनाव में ईवीएम में घोटाला हुआ है। महाराष्ट्र की सरकार जनता ने नहीं चुनी है। राहुल गांधी के जातिगत आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा की बाधा खत्म करने वाले बयान पर उदित राज ने कहा कि पूरे देश की मांग है कि यह होना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के दौरे के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला की ओर से पीएम मोदी की तारीफ किए जाने पर उदित राज ने कहा कि मैंने भी उनका भाषण सुना है। उन्होंने कहा कि जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए वह काम पीएम मोदी ने किया। लेकिन, ऐसा नहीं कहा कि जो काम कांग्रेस नहीं कर पाई वो काम पीएम मोदी ने किया। अच्छी बात है कि वह तारीफ कर रहे हैं। लेकिन, जब जानते हैं कि नरसिम्हा की सरकार में इस प्रोजेक्ट की नींव डाली गई थी। 150 किलोमीटर तक यह लाइन पीएम मोदी के आने से पहले बन चुकी थी। 11 साल इस प्रोजेक्ट को पूरा होने में लगा। इस प्रोजेक्ट को पहले ही बन जाना चाहिए था। अगर पीएम मोदी अपने भाषण के दौरान कांग्रेस के कार्यकाल का जिक्र करते तो देश को अच्छा लगता।

ऑपरेशन सिंदूर पर भाजपा की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किए जाने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज ने कहा कि जब हमारी सेना ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दे रही थी उस वक्त हमारे विदेश मंत्री पाकिस्तान को एयर स्ट्राइक के बारे में जानकारी मुहैया करा देते हैं।

कांग्रेस सांसद सलमान खुर्शीद के पाकिस्तान को विदेश में एक्सपोज करने वाले बयान पर उदित राज ने कहा कि वह विदेश की धरती पर थे और उन्होंने उसी अनुसार देश का पक्ष रखा। मेरा सवाल सिर्फ इतना है कि प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान को एक्सपोज किया। इसके बाद क्या कोई देश हमारे हक में बोला, किसी का कोई बयान आया।

सहस्राब्दी के लिए 'टाइम कैप्सूल' में समाहित गुजरात की विरासत : पीएम मोदी की दूरदर्शी पहल

नई दिल्ली । साल 2010 में, जब इसी दिन (7 जून) गुजरात राज्य को बने 50 साल हो गए थे, उस समय राज्य के मुख्यमंत्री रहे नरेंद्र मोदी (जो अब भारत के प्रधानमंत्री हैं) ने एक अनोखी पहल की थी। इस पहल का उद्देश्य इतिहास को भविष्य से जोड़ना था। उन्होंने गांधीनगर के महात्मा मंदिर परिसर में एक "टाइम कैप्सूल" को धरती में दबाया। इस कैप्सूल का उद्देश्य था- गुजरात की 1960 से अब तक की यात्रा को भविष्य के लिए सहेजना। यह सन्दूक को आज से 1000 साल बाद खोला जाना है।

इस घटना को हाल ही में एक वीडियो के जरिए फिर से लोगों के सामने लाया गया। यह वीडियो ह्यमोदी स्टोरीह्न नाम के सोशल मीडिया अकाउंट ने 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर शेयर किया। इसका शीर्षक था ह्लगुजरात टाइम कैप्सूल- मोदी की एक कालातीत विरासत को श्रद्धांजलि।

यह सन्दूक स्टेनलेस स्टील से बना है, जिसका वजन करीब 90 किलो है। इसे ऐसे तैयार किया गया है कि हजारों साल तक सुरक्षित रह सके। इसमें गुजरात की विकास यात्रा, उसकी संस्कृति, व्यापार, अध्यात्म और ऐतिहासिक उपलब्धियों को दर्शाने वाली चीजें रखी गई हैं।

इस कैप्सूल में कई दस्तावेज और ऐतिहासिक चीजें रखी गई हैं, जिसमें महात्मा गांधी के मार्गदर्शक सिद्धांतों, रविशंकर महाराज के ऐतिहासिक भाषण, जिसने गुजरात के निर्माण को प्रेरित किया, और राज्य के सामाजिक-सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मील के पत्थरों का एक व्यापक वर्णन शामिल है। ये अभिलेख चार भाषाओं में अंकित हैंः गुजराती, हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत।

गुजरात की चौथी वित्त आयोग के अध्यक्ष यमल व्यास ने वीडियो में बताया कि यह विचार मोदी जी का था। उन्होंने कहा, "2010 में, मोदी जी ने संस्कृति को संरक्षित करने के लिए एक दूरदर्शी सुझाव दिया था। कैप्सूल में गुजरात का संक्षिप्त लेकिन विस्तृत इतिहास शामिल है, जो चार भाषाओं में लिखा गया है, साथ ही पिछले 50 वर्षों में राज्य के विकास का विस्तृत विवरण भी है।"

यहां तक ??कि स्क्रिप्ट और कागज को भी लंबे समय तक चलने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया था। यह दस्तावेज विशेष कागज पर छापे गए थे, जिसमें प्लास्टिक मिलाया गया था, ताकि वह बहुत लंबे समय तक खराब न हो और पढ़े जा सकें।

यह टाइम कैप्सूल केवल अतीत की याद नहीं है, बल्कि यह गुजरात की पहचान, आत्मबल और दूरदर्शिता का प्रतीक है झ जो आने वाली पीढ़ियों तक उसकी आवाज बनकर पहुंचेगा।

भविष्य के लिए मजबूत और आपदा-रोधी बुनियादी ढांचा बनाएं : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर देते हुए वैश्विक स्तर पर इस दिशा में प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। वह यूरोप में पहली बार आयोजित हो रहे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "डिजास्टर रेजिलिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर" को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और फ्रांसीसी सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा, "मैं अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों और फ्रांस सरकार का समर्थन के लिए धन्यवाद करता हूं। साथ ही आगामी संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।"

उन्होंने कहा कि तटीय और द्वीपीय क्षेत्र जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं के कारण अत्यधिक खतरे में हैं। उन्होंने कहा, "इस सम्मेलन की थीम हैः तटीय क्षेत्रों के लिए एक लचीले भविष्य का निर्माण। भारत और बांग्लादेश में चक्रवात 'रेमाल', कैरेबियन में 'हैरिकेन बेरिल', अमेरिका में 'हेलीन', दक्षिण-पूर्व एशिया में 'यागी' और फिलीपींस में 'उसागी' जैसी आपदाओं से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।"

प्रधानमंत्री ने भारत की पुरानी आपदाओं की याद दिलाते हुए कहा, "भारत ने 1999 के सुपर साइक्लोन और 2004 की सुनामी की पीड़ा को झेला है। हमने इससे सीखते हुए लचीलापन अपनाया और तटीय इलाकों में चक्रवात शेल्टर बनाए। साथ ही, 29 देशों के लिए एक सुनामी चेतावनी प्रणाली विकसित करने में भी भारत ने मदद की।"

भारत की वैश्विक भूमिका पर उन्होंने कहा कि "कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर

(सीडीआरआई)" 25 छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के साथ कार्य कर रही है, जिसमें मजबूत घर, अस्पताल, स्कूल, ऊर्जा प्रणालियां, जल सुरक्षा तंत्र और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली शामिल हैं।

उन्होंने कहा, "मैं प्रशांत, हिंद महासागर और कैरेबियन क्षेत्रों से आए मित्रों का स्वागत करता हूं। मुझे यह जानकर खुशी है कि अफ्रीकी संघ भी अब सीडीआरआई का हिस्सा बन गया है।"

प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक प्राथमिकताओं में सबसे पहले शिक्षा और कौशल विकास को रखा। उन्होंने कहा, "आपदा प्रबंधन से जुड़े कोर्स, मॉड्यूल और कौशल विकास कार्यक्रम उच्च शिक्षा का हिस्सा बनने चाहिए। इससे भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार होंगे।"

उन्होंने साझा सीख पर बल देते हुए कहा, "दुनिया भर के कई देश आपदाओं का सामना कर लचीलापन अपनाते हैं। इनके अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए एक वैश्विक डिजिटल भंडार बनाना उपयोगी होगा।"

वित्तपोषण पर उन्होंने कहा कि आपदा लचीलापन के लिए नवाचारी वित्त की आवश्यकता है। हमें ऐसे कार्यक्रमों की रूपरेखा बनानी चाहिए जो विकासशील देशों को आसानी से वित्त उपलब्ध करा सकें।

बेसन से बनने वाली 3 तरह की सब्जी, उंगलियां चाटते रह जाएंगे घर वाले

बेसन एक ऐसा इनग्रेडिएंट है जिससे ज्यादातर लोग पकौड़ा और कड़ी ही बनाते हैं, लेकिन इसके अलावा भी आप इससे कई तरह की सब्जी बना सकते हैं. इस आर्टिकल में जानेंगे बेसन से बनने वाली 5 तरह की सब्जियों के बारे में.

घरों में बेसन आसानी से मिल जाता है. खाने के अलावा इसका इस्तेमाल स्किन केयर में भी किया जाता है. वहीं जब कोई सब्जी न हो तो इसे ऑप्शन के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है. सब्जी में पानी ज्यादा हो जाए तो थोड़ा सा भुना बेसन डालकर टेक्सचर सुधार सकते हैं. इसके अलावा आपने बेसन की कढ़ी काफी बार बनाई होगी और बारिश के मौसम में बेसन से बने प्याज के पकौड़े तो मुंह में पानी ला देते हैं, लेकिन बेसन से कई तरह की सब्जी (करी) बनाई जा सकती है. जो खाने में कमाल की स्वादिष्ट लगती है. चलिए जान लेते हैं बेसन से बनने वाली 5 तरह की करी की रेसिपी.

चना से बनने वाला बेसन आयरन फाइबर, प्रोटीन, मैग्नीशियम, समेत कई विटामिन से भी भरपूर होता है और ग्लूटेन फ्री होने की वजह से उन लोगों के लिए बढ़िया ऑप्शन है, जिनको गेहूं की रोटी खाने के बाद अपच हो जाती है, दरअसल ये ग्लूटन इंटॉलरेंस की वजह से होता है. फिलहाल जान लेते हैं बेसन से बनने वाली पांच अलग-अलग सब्जियों की रेसिपी.

ये राजस्थानी डिश है बेहद फेमस

गट्टे की सब्जी राजस्थानी डिश है जो पूरे देश में खूब पसंद की जाती है. इसे बनाने के लिए जीरा को ड्राई रोस्ट करके पीसें और फिर एक बाउल में बेसन, जीरा पाउडर, हींग, अजवाइन, के अलावा बेसिक मसाले जैसे मिर्च, नमक, हल्दी, पिसा हुआ सूखा धनिया, मिलाएं. अब इसमें थोड़ा सा तेल और दही एड करें. इसे मिलान के बाद बेसन को पानी से गूंथ लें. एक कढ़ाही में पनी उबालें और बेसन के गोले बनाएं या फिर लंबाई में स्ट्रिप (बेलनाकार) बना लें और उबलते पानी में डाल दें. जब ये बन जाए तो आंच बंद करके पानी से गट्टे निकाल लें और फिर नॉर्मल सब्जी की तरह प्याज-लहसुन के पेस्ट के साथ इसे छौंक दें, लेकिन ग्रेवी में दही एड करना न भूलें. इस तरह से गट्टे की सब्जी तैयार हो जाएगी.

बेसन के चीला की सब्जी

सबसे पहले बेसिक मसालों के साथ बेसन का गाढ़ा घोल बनाएं और तवा पर थोड़ा सा तेल ग्रीस करके चीला बनाएं. आपको चीला एक ही तरफ से सेंकना है और उसे तवा पर ही रोल करके करछी से चपटा कर दें, जिससे जब आप काटेंगे तो लेयर बन जाएंगी. सारे चीला बनाने के बाद कढ़ाही में तेल गर्म करें. इसमें प्याज, लहसुन, अदरक का पेस्ट डालकर पकाएं. कटे टमाटर डालकर मैश करें और फिर हल्दी, मिर्च, सूखा पिसा धनिया, नमक, डालें. मसाला जब तेल छोड़ने लगे तो स्लाइस में काटे गए चीला को डालें और हल्के हाथों से चलाते हुए मसाले में मिला दें. अब इसमें जरूरत के मुताबिक पानी डालकर पकाएं. जब सब्जी पक जाए तो गरम मसाला और धनिया पत्ती एड कर दें.

बेसन की मिंगोड़ी लगती हैं बेहद टेस्टी

आप बेसन की मिंगोड़ी बना सकते हैं. इसके लिए बेसन को नमक, मिर्च, हल्दी डालकर टाइट गूथ लें और चना के बराबर छोटी-छोटी गोलियां बना लें. अब कढ़ाही में दो चम्मच तेल डालें और तैयार की गई बेसन की गोलियां गोल्डन होने तक भून लें. इसे बनाने का भी सिंपल मैथड है कि आप लहसुन, प्याज, अदरक के पेस्ट की ग्रेवी बनाएं और फिर छौंक लगा दें. इसके बाद पानी एड करें. सब्जी का रसा क्रीमी रहे, इसके लिए छौंकते वक्त फेंटा हुआ थोड़ा दही एड कर सकते हैं. ये काफी टेस्टी सब्जी बनती है.

बेंगलुरु में व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे का बेनकाब होना

बढ़ते तापमान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के बाद आयोज्य जश्न के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं खेल व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। आरसीबी विक्ट्री परेड के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास अचानक मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और क्रिकेट सितारों को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे खिलाड़ियों एवं राजनेताओं द्वारा नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें हो जाने के बावजूद जश्न जारी रहना, दुखद एवं शर्मनाक है। प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि खिलाड़ियों को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास तीन लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का मौत की खबरें मिलने के बावजूद खिलाड़ियों के साथ जश्न मनाने में जुटा रहना उनकी प्रचार भूख का भौंडा उदाहरण है। जब मौत के बाद वहां पसरा मातम देखकर सब स्तब्ध थे तो सिद्धारमैया क्यों अपने पद की गरिमा एवं जिम्मेदारी को धूमिल कर रहे थे? सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है? जब खुद सरकार एक जश्न का मातम में बदलने का नेतृत्व करेगी तो आम लोगों का कांप उठना स्वाभाविक है।

बहरहाल, आईपीएल का आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छूता हुआ व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। उनके करोड़ों प्रशंसकों की कतारे देख कर राजनेता भी उनकी साथ मंच सांझा करने को उत्सुक दिखे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, अन्य मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी भी इसी फिराक में अपनी जिम्मेदारियों को भूल जश्न मनाते रहे और आमजनता अव्यवस्थाओं के कारण मौत में समाती रही। यह ऐसी दुखद घटना है जो अपनी निर्दयता एवं क्रूरता के लिये लम्बे समय तक कौंधती रहेगी। सिद्धारमैया के इस घटना की तुलना प्रयागराज कुंभ में हुए हादसे के करना उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रही है। भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे में भी अनेकों लोगों की जान गयी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। कई बार आयोजनकर्ताओं और पुलिस के बीच समन्वय की कमी होती है, जिससे सुरक्षा चूक हो सकती है। भीड़ प्रबंधन केवल विधि-व्यवस्था बनाए रखने का विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों की संरचना और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियों से गहनता से संबद्ध है। दुर्भाग्यवश, कई बार आयोजकों और प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किये जाते, जिससे जानमाल की हानि होती है। इस परिदृश्य में, बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की मौजूदा स्थिति, उससे जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ, हालिया घटनाओं से मिले सबक और प्रभावी समाधानों की चर्चा करना बेहद प्रासंगिक होगा, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके।भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक उत्सव, खेल आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में लाखों लोग जुटते हैं। ऐसे आयोजनों के लिये पुलिस, होम गार्ड, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया जाता है। विश्व के विभिन्न विकसित देशों में भीड़ प्रबंधन के लिये अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। जापान जैसे देशों में रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्यधिक भीड़ के प्रबंधन के लिये ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम स्थापित किये गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में स्टेडियमों, एयरपोर्ट्स एवं धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिये एआई आधारित कैमरे, आपातकालीन अलर्ट सिस्टम और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं। हालाँकि भारत में बड़े आयोजनों के लिये प्रशासनिक तैयारियाँ की जाती हैं, फिर भी समय-समय पर कई कमियाँ उजागर होती रही हैं। लेकिन आरसीबी के चिन्नास्वामी स्टेडियम के जश्न के दौरान खामियां ही खामियां देखने को मिली। ऐसे बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन कोई आसान कार्य नहीं है। लाखों लोगों को नियंत्रित करने के लिये ठोस रणनीति, प्रशासनिक कौशल और अत्याधुनिक तकनीक की आवश्यकता होती है, जिसका इस आयोजन में सर्वथा अभाव रहा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

संपादकीय

न्याय की साख

किसी भी लोकतंत्र में न्यायपालिका की साख निर्विवाद रूप से कायम रहनी चाहिए। कामकाज में पारदर्शिता व शुचिता नजर आना संवैधानिक संस्था के लिये अनिवार्य शर्त है। न्यायपालिका की जिन कवायदों को लेकर अंगुलियां उठ सकती हैं, उनको संबोधित करके मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने एक सराहनीय पहल की है। उनका सेवानिवृत्ति के बाद सरकार से कोई पद न लेने का संकल्प संस्थागत ईमानदारी व विश्वसनीयता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जाएगा। निस्संदेह, उनके और कई सहयोगियों द्वारा दर्शायी गई यह प्रतिबद्धता न्यायपालिका की विश्वसनीयता और इसे स्वतंत्र बनाये रखने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। सीजेआई गवई ने यही साबित करने का प्रयास किया है कि न्यायाधीशों द्वारा सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद सरकारी पद लेना या चुनाव लड़ने के लिये इस्तीफा देना, संवेदनशील नैतिक चिंताएं पैदा करता है। यह भी कि ये प्रवृत्तियां सार्वजनिक जांच को आमंत्रित करती हैं। निस्संदेह, हितों के टकराव या पक्षपात की कोई भी धारणा केवल विश्वास की कमी को ही बढ़ाती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इस मुद्दे पर सीजेआई का साहसिक रुख नैतिक नेतृत्व का एक नया मानक स्थापित करेगा-जिसका अक्षरशः और ईमानदारी की भावना से पालन किया जाएगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की है कि न्यायपालिका के भीतर कदाचार के उदाहरण पूरी व्यवस्था के प्रति विश्वास को चोट पहुंचा सकते हैं। इस विश्वास को फिर से बनाने का रास्ता त्वरित, निर्णायक और पारदर्शी कार्रवाई में निहित है। इसमें दो राय नहीं कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से जुड़ा कैश-इन-रेजिडेंस का विवाद न्यायपालिका के साथ-साथ कार्यपालिका और विधायिका के लिये कसौटी पर परखने का मामला है। चर्चा है कि आगामी मानसून सत्र में दिल्ली उच्च न्यायालय के एक विवादित पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया जा सकता है। वहीं कॉलेजियम प्रणाली की बढ़ती आलोचना के बीच सीजेआई गवई का यह कथन कि न्यायिक स्वतंत्रता की कीमत पर कोई समाधान नहीं आना चाहिए, सही है।हालांकि, न्यायाधीशों की नियुक्ति कैसे की जाती है, यह एक अनसुलझा विवादास्पद मुद्दा बना हुआ है। गाहे-बगाहे अदृश्य न्यायिक भ्रष्टाचार पर भी गंभीर चिंता जतायी जाती रही है। पिछले दिनों पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना का सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति सार्वजनिक करने का कदम सराहनीय था। लेकिन अभी भी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है। बड़े पैमाने पर लंबित मामलों के मूल में प्रणालीगत विसंगतियां होने की बात कही जाती है। लेकिन हकीकत यह भी है कि राजनीतिक नफे-नुकसान के समीकरणों को साधने के लिये सरकारों ने भी तमाम संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास भी किया है। इसके बावजूद संस्थाओं के भीतर से उभरते शुचिता के संकल्प जन विश्वास को मजबूती देते हैं। ऐसे में मुख्य न्यायाधीश की साफगोई और विसंगतियों को दूर करने का संकल्प न्यायिक व्यवस्था में जनता के भरोसे को बढ़ाने वाला ही कहा जाएगा। हाल के वर्षों में कुछ शीर्ष न्यायिक संस्थाओं के फैसलों के राजनीतिक निहितार्थ को लेकर सार्वजनिक विमर्श में चर्चाएं होती रही हैं। यही वजह है कि सेवामुक्ति के बाद लाभ के पद स्वीकारने और इस्तीफा देकर चुनाव लड़ने के फैसले को नैतिकता की कसौटी पर कसा जाता रहा है। निर्विवाद रूप से किसी राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर तथा किसी प्रलोभन को ठुकराकर ही न्याय की साख को बनाया जा सकता है। तभी सही अर्थों में न्यायिक दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन किया जा सकता है। निस्संदेह, न्याय की विश्वसनीयता के लिये न्यायाधीशों का व्यक्तिगत व्यवहार खास मायने रखता है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि सत्ता की निरंकुशता पर लगाम लगाने और संविधान की रक्षा करने का बड़ा दायित्व भी न्यायपालिका के जिम्मे है। देश में तमाम संस्थाओं और व्यवस्था से निराश व्यक्ति अंतिम आस के रूप में न्यायिक व्यवस्था की ओर देखता है। जनता को भरोसा रहता है कि सत्ता की मनमानी पर न्यायिक व्यवस्था ही नकेल कस सकती है।

भारतीय न्यायपालिका की स्वतंत्रता का बेजा इस्तेमाल के लिए दोषी कौन

भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका की स्वतंत्रता अक्षुण्ण रखने के लिए जजों का स्वतंत्र रहना बहुत जरूरी है। लेकिन प्रतिष्ठित पदों पर रहते हुए कतिपय जजों ने जो कुछ कारनामें किए हैं, उसके दृष्टिगत न्यायपालिका में मूलभूत बदलाव नहीं करना जनतंत्र के लिए भी अहितकर साबित हो रहा है। इसलिए यक्ष प्रश्न है कि भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता का बेजा इस्तेमाल के लिए आखिर में दोषी कौन है? और उसके खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने, करवाने में न्यायिक प्रशासन या फिर कार्यपालक प्रशासन के हाथपांव क्यों फूलने लगते हैं? यदि पुरानी बातें छोड़ भी दें तो जस्टिस जे एस वर्मा के खिलाफ जितनी मंथर गति से कार्रवाई चल रही है, वह पूरी संवैधानिक व्यवस्था के लिए गम्भीर चिंता की बात है। इससे भ्रष्टाचार के संलिप्त लोगों को बढ़ावा मिलेगा।सुलगता सवाल है कि किसी भी मामले में जितनी ततपरता पूर्वक आम आदमी के खिलाफ कार्रवाई होती है, उतनी ही ततपरतापूर्वक कार्रवाई किसी खास आदमी के खिलाफ आखिर क्यों नहीं दिखाई देती है? क्या चोर-चोर मौसेरे भाई वाली कहावत यहां भी चरितार्थ होती है? आखिर हमारी संसद इन विषयों पर स्पष्ट और पारदर्शी कानून क्यों नहीं बनाती है? हमारे देश में संसद सर्वोच्च है या सुप्रीम कोर्ट, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह चर्चा समीचीन है कि विधायिका या न्यायपालिका में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन भ्रष्ट आचरण वाले व्यक्तियों के खिलाफ आम आदमी की तरह नहीं बल्कि खास आदमी की तरह विलंबित कार्रवाई आखिर क्यों होनी चाहिए?

चूंकि विधायिका और न्यायपालिका दोनों ने अपनी सर्वोच्च स्थिति का दुरूपयोग किया है, इसलिए लोकहित या व्यवस्था हित वाले रेयर ऑफ द रेयररेस्ट मामलों में विद्वत परिषद या जनमत सर्वेक्षण के माध्यम से किसी अंतिम निर्णय पर पहुंचने की वैधानिक व्यवस्था होनी चाहिए।

इस लिहाज से सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई ने मुख्य न्यायाधीश ग्रेट ब्रिटेन में वहां के सुप्रीम कोर्ट द्वारा आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में %न्यायिक वैधता और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के% विषय पर जो बातें कही हैं, उनपर गौर फरमाना हर प्रबुद्ध व्यक्ति के लिए लाजिमी है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा है कि ज्यूडिशियरी में करप्शन और मिसकण्डक्ट से न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा कम होता है। इसलिए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ज्यूडिशियरी को केवल न्याय नहीं करना है, बल्कि उसे एक संस्थान के रूप में भी देखा जाना चाहिए जो सत्ता से सच कहने की क्षमता रखता है।कहना न होगा कि जहां एक ओर भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने में न्यायपालिका का महत्वपूर्ण स्थान है, वहीं दूसरी ओर लोकतंत्र की जड़ों को खोखली करने में भी न्यायपालिका की प्रत्यक्ष/परोक्ष भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है। यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ बल्कि इस देश में चल रहे विभिन्न न्यायिक घटनाक्रमों का सार-सत्य कुछ ऐसा ही है, जो चिंताजनक बात है।

देखा जाए तो सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई ने अपने लहजे में न्यायपालिका की बड़ाई और शिकायत दोनों करते हुए परोक्ष रूप से न्यायाधीशों, नौकरशाहों व राजनेताओं के लिए कुछ लक्ष्मण रेखा खींचने की कोशिश करते हुए उन्हें कतिपय नसीहतें भी दी हैं, जिन्हें समझे जाने और उसके दृष्टिगत सर्वश्रेष्ठ समाधान निकाले जाने की जरूरत है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने जजों की नियुक्ति पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि सरकार ने दो बार सबसे वरिष्ठ न्यायाधीशों को नजरअंदाज किया क्योंकि उस समय अंतिम निर्णय सरकार का था। यही वजह है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश ने न्यायिक नियुक्तियों में कार्यपालिका की भूमिका पर सवाल उठाते हुए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम को न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए खतरा बताया और कहा कि इससे जजों की स्वतंत्रता पर आंच आ सकती है।

दरअसल, उक्त गोलमेज सम्मेलन में जस्टिस विक्रम नाथ, इंग्लैंड और वेल्स की लेडी चीफ जस्टिस बैरोनेस कैर और यूके के सुप्रीम कोर्ट के जज जॉर्ज लेगट की मौजूदगी में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि, %भारत में, न्यायपालिका व कार्यपालिका के बीच विवाद का एक मुख्य मुद्दा यह रहा है कि न्यायिक नियुक्तियों में प्राथमिकता किसकी है? उन्होंने कहा कि 1993 तक, सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति में अंतिम निर्णय कार्यपालिका का होता था। यही वजह है कि उक्त अवधि के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति में कार्यपालिका ने दो बार जजों के फैसले को अनदेखा किया, जो स्थापित परंपरा के विरुद्ध था।उल्लेखनीय है कि सीजेआई पद के लिए जिन दो जजों को दरकिनार किया गया है, वे हैं जस्टिस सैयद जाफर इमाम और जस्टिस हंस राज खन्ना। जहां जस्टिस इमाम को 1964 में शीर्ष पद नहीं सौंपा जा सका था क्योंकि वे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित थे और तत्कालीन जवाहरलाल नेहरू सरकार ने जस्टिस पीबी गजेंद्रगढ़कर को यह पद सौंपा था। वहीं, न्यायमूर्ति खन्ना को 1977 में इंदिरा गांधी सरकार की नाराजगी का सामना करना पड़ा था। क्योंकि जब एडीएम जबलपुर बनाम शिव कांत शुक्ला मामले में उनके असहमति वाले फैसले के कुछ महीनों बाद ही उन्हें चीफ जस्टिस का पद खोना पड़ा था। क्योंकि उस मामले में उन्होंने फैसला सुनाया था कि राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान भी मौलिक अधिकारों को निलंबित नहीं किया जा सकता है। यही बात इंदिरा गांधी सरकार को नागवार गुजरी थी।सीजेआई के मुताबिक, इसके जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने साल 1993 और 1998 के अपने फैसलों में जजों की नियुक्ति से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या की और स्थापित किया कि भारत के चीफ जस्टिस, चार सीनियर जजों के साथ मिलकर एक कॉलेजियम का गठन करेंगे, जो सुप्रीम कोर्ट में नियुक्तियों की सिफारिश करने के लिए जिम्मेदार होगा। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गवई ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2015 में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम को रद्द कर दिया था। क्योंकि इस अधिनियम ने न्यायिक नियुक्तियों में कार्यपालिका को प्राथमिकता देकर न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर किया है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि कॉलेजियम प्रणाली की आलोचना हो सकती है, लेकिन कोई भी समाधान न्यायिक स्वतंत्रता की कीमत पर नहीं आना चाहिए।वहीं मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गवई ने कहा कि किसी न्यायाधीश द्वारा सरकारी पद ग्रहण करना, या त्यागपत्र देकर चुनाव लड़ना नैतिक चिंताएं पैदा करता है। भारत में जजों के लिए एक निश्चित रिटायरमेंट उम्र होती है। यदि कोई जज रिटायरमेंट के तुरंत बाद सरकार के साथ कोई अन्य नियुक्ति लेता है, या चुनाव लड़ने के लिए पीठ से इस्तीफा देता है, तो यह महत्वपूर्ण नैतिक चिंताएं पैदा करता है और सार्वजनिक जांच को आमंत्रित करता है। क्योंकि तब लोगों को लगने लगता है कि न्यायपालिका स्वतंत्र नहीं है। उन्हें लगता है कि जज सरकार से फायदा लेने की कोशिश कर रहे हैं।उल्लेखनीय है कि कॉलेजियम सिस्टम को लेकर अक्सर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच तकरार होती आई है। इस बीच सीजेआई जस्टिस बीआर गवई ने अंग्रेजों की धरती से जजों की नियुक्ति को लेकर जो अहम टिप्पणी की है, उसके न्यायिक मायने तो स्पष्ट हैं, लेकिन न्यायिक भ्रष्टाचार को रोकने के लिए उन्होंने क्या-क्या कदम उठाये हैं, इस पर भी गौर करना जरूरी है। हालांकि चीफ जस्टिस बीआर गवई ने नेहरू और इंदिरा गांधी का नाम लेकर कांग्रेस की गलतियों को जो याद दिलाया है, वह शायद भाजपा को खुश करने की एक सार्थक पहल हो सकती है। वहीं साथ ही साथ उन्होंने जजों को भी नसीहत देते हुए कहा है कि जजों को हर हाल में स्वतंत्र रहना चाहिए।

इसलिए बेहतर यही होगा कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गवई न्यायिक जांच पुलिस कैडर का गठन करने का आदेश दें, जो न्यायपालिका के भ्रष्टाचार पर पेशेवर तौर पर नजर रखेगी और किसी भी भ्रष्टाचारी को 24 घण्टे के भीतर गिरफ्तार करके खास जेल में डालकर विधिक कार्रवाई शुरू करेगी। आप मानें या न मानें, निचली अदालतों, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश व अधिवक्ताओं की मिलीभगत से संस्थागत भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे न्यायपालिका की प्रतिष्ठा गिरी है व विश्वसनीयता कम हुई है। इसे रोकने में कार्यपालिका व विधायिका की दिलचस्पी इसलिए नहीं है कि ये खुद ही महाभ्रष्ट हैं! अपवाद हरेक जगह पर हैं, लेकिन अल्पमत में, बेहद कम।

प्रसिद्ध सांस्कृतिक स्थल नरसिंह चबूतरा के जीर्णोद्धार का शिलान्यास-लोकार्पण

लोक प्रेरणा

वाराणसी। शहर दक्षिणी विधानसभा के विधायक पूर्व मंत्री डा नीलकंठ तिवारी ने क्षेत्र में विकास कार्यों का लोकार्पण किया। दक्षिणी विधानसभा में स्थित प्रसिद्ध सांस्कृतिक स्थल नरसिंह चबूतरा का जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण पूर्व मंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी ने किया।लोकार्पण में क्षेत्रीय विधायक पूर्व मंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी ने बताया की प्रसिद्ध नरसिंह चबूतरे पर विगत 400 वर्षों से नरसिंह लीला होती आ रही है ।

इसके अलावा इस स्थान पर अन्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्य होते रहे हैं । स्थानीय लोगों द्वारा इस स्थान पर वट सावित्री पूजन भी किया जाता रहा है । यह स्थान जीर्ण शीर्ण अवस्था में जा चुका था ।

छुट्टा पशु के बैठने का स्थान बन चुके इस स्थान पर कोई प्रयोजन करने से पूर्व काफी सफाई करनी पड़ती थी । ऐसे में इस स्थान की पहचान लुप्त होती जा रही थी ।

लेकिन इस स्थान का जीर्णोद्धार कार्य कराकर पुनः इसे जीवंत रूप प्रदान किया गया है । विधायक ने बताया की करीब 8 लाख रुपये की लागत से सुंदरीकरण का कार्य कराया गया है, चबूतरे पर पत्थर लगवाकर चारों तरफ रेलिग लगवा दी गई, जिससे की छुट्टा पशु इस स्थान पे ना जा सके और साफ-सफाई की व्यवस्था व्याप्त रहे ।इसके अलावा विधायक ने दारानगर क्षेत्र स्थित दारानगर उद्यान में भी होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया । उक्त पार्क में करीब 7.5 लाख रुपये की लागत से पाथवे निर्माण, बच्चों के लिए झूला तथा पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था के लिए लाइट के साथ इंटरलॉकिंग कार्य कराया जाएगा ।

उक्त अवसर पर मण्डल अध्यक्ष तारकेश्वर गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष बबलू सेठ, पूर्व मण्डल अध्यक्ष संदीप चौरसिया, महानगर मंत्री नीरज जायसवाल, मंडल प्रभारी सतीश चंद पांडेय, पूर्व डीजीसी आलोक चंद शुक्ला, पूर्व पार्षद रविशंकर सिंह, पार्षद अनंत राज गुप्ता पार्षद सुरेश चौरसिया सहित सैकड़ो क्षेत्रीय नागरिकों के साथ ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे

बालयोगी संजय महराज की माता शकुंतला पाण्डेय की असामयिक निधन

लोक प्रेरणा

मिजार्पुर । तहसील के घोरी गांव के निवासी पं ठाकुर प्रसाद पाण्डेय की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला पाण्डेय उम्र 60 वर्ष की आज प्रयागराज में इलाज के दौरान असामयिक निधन हो गया है। गौरतलब बात यह है कि प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संत एवं कथा वाचक बालयोगी संजय महराज जी की माता थी, उनके असामयिक निधन पर उपरौध क्षेत्र में गहरा शोक व्यक्त किया गया है और शुभचिंतकों एवं उनके भक्तों शिष्यों का सम्वेदना ब्यक्त करने के लिए तांता लग गया, उनका अंतिम संस्कार काशी के मणिकर्णिका घाट में वीते देर रात किया गया है*

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय संत बालयोगी संजय महराज की माता के निधन पर मिजार्पुर जिले के पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी, बापू उपरौध इण्टर मीडिएट कालेज लालगंज के प्रवंधक स्वतंत्रता सेनानी पं कृष्ण कांत दूबे हलिया पूर्व ब्लाक प्रमुख पं बुद्धिमान त्रिपाठी एडवोकेट, लालगंज के पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं भाजपा नेता डा जय कुमार सिंह, समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ शिव कुमार सिंह पटेल, छानबे विधायक श्रीमती रिंकी कोल, मड़िहान विधायक रमा शंकर सिंह पटेल, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक ललितेशपति त्रिपाठी, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इण्टक के पूर्व राष्ट्रीय सचिव शशि भूषण दूबे कंचनीय वरिष्ठ पत्रकार, लालगंज ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिव शंकर पाण्डेय, कांग्रेसी नेता दुर्गा प्रसाद मिश्र, सुधीर कुमार उपाध्याय, पूर्व सांसद पकौड़ी लाल कोल एवं मझवा से जिला पंचायत सदस्य शिव शंकर पाण्डेय, एवं ई कृष्ण गोपाल चौधरी, आदि ने गहरा दुःख ब्यक्त किया है। यह समाचार हमारे यूपी स्टेट ब्यूरो प्रमुख शशि भूषण दूबे कंचनीय वरिष्ठ पत्रकार द्वारा कवरेज किया गया है।

कन्नौज में शांतिपूर्ण तरीके से मना ईद-उल-अजहा का त्योहार

लोक प्रेरणा

कन्नौज। ईदगाह में शनिवार सुबह नमाजियों की भीड़ उमड़ी। यहां आला अधिकारियों की मौजूदगी में जिले की 52 ईदगाहों पर ईद-उल-अजहा की नमाज पढ़ी गई। इसके बाद गले मिलकर एक-दूसरे को मुबारकबाद दी।

जिले में ईद-उल-अजहा का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया। ईदगाह में नमाज के समय डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री और एसपी बिनोद कुमार फोर्स के साथ मौजूद रहे। यहां भीड़ को देखते हुए चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात रहा। इसी तरह जिले के तिर्वा, छिबरामऊ, सौरिख, गुरसहायगंज और तालग्राम क्षेत्रों की ईदगाहों में नमाज पढ़ी गई। इन सभी जगहों पर पुलिस मुस्तैद रही।

डीएम-एसपी ने की गश्त

बकरीद की नमाज के दौरान ड्रोन कैमरों से संदिग्धों पर नजर रखी गई। डीएम-एसपी ने पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। नमाजियों, आमजन और राहगीरों से बातचीत कर उन्हें सुरक्षा का अहसास दिलाया।

सुरक्षा व्यवस्था रही मजबूत

इस दौरान अधिकारियों ने आपसी भाई-चारे और सौहार्दपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। इसी तरह एसपी के निर्देश पर सभी डीएसपी और थानाध्यक्षों ने फोर्स के साथ अपने-अपने क्षेत्रों की ईदगाहों और मस्जिदों पर मौजूद रहकर नमाज को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराया। इस दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए।

लिया में आंधी-तूफान का कहर: नव-निर्मित दीवार गिरने से महिला की मौत, तीन बच्चे बेसहारा

बलिया। बलिया जिले के फेफना थाना क्षेत्र के डुमरी गांव में आंधी, तूफान और बारिश ने भीषण तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा के दौरान एक नव-निर्मित दीवार ढह जाने से 46 वर्षीय एक महिला की दबकर दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना के बाद मृतका के तीन छोटे-छोटे बच्चे बेसहारा हो गए हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना शुक्रवार देर रात हुई जब तेज आंधी और तूफान के साथ मूसलाधार बारिश ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। इसी दौरान डुमरी गांव में एक निमार्णाधीन दीवार अचानक भरभरा कर गिर गई। दीवार के मलबे के नीचे दबकर एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन बताया जा रहा है कि वह गांव की ही निवासी थी।

इस घटना ने पूरे गांव को सदमे में डाल दिया है। महिला की मौत के बाद उसके तीन छोटे बच्चे अब अकेले पड़ गए हैं। बच्चों का अपनी माँ को खोने का गम और उनके रोने की आवाजें सुनकर गांव वालों की आँखें भी नम हो रही हैं। स्थानीय प्रशासन और पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। मलबे को हटाने और स्थिति का जायजा लेने का काम शुरू कर दिया गया है।

फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने एक बार फिर से मौसम की मार और कमजोर निर्माण कार्यों के खतरों को उजागर किया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से प्रभावित परिवार को तत्काल सहायता प्रदान करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उचित कदम उठाने की मांग की है।

श्रद्धालुओं को जल्द मिलेगी दर्शन की सुविधा, पंचवटी वाटिका का सौंदर्यीकरण भी होगा : नृपेंद्र मिश्रा

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने शनिवार को मंदिर निर्माण और इससे जुड़ी व्यवस्थाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट (न्यास) मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए खोलने की तैयारियों में जुटा है।नृपेंद्र मिश्रा के अनुसार, न्यास की बैठक में इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई है और जल्द ही श्रद्धालुओं को दर्शन की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि न्यास के महासचिव चंपत राय प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर विचार कर रहे हैं। इसमें सीढ़ियों पर रेलिंग, दर्शन के लिए लाइनों की संख्या और श्रद्धालुओं के सामान रखने की व्यवस्था जैसे मुद्दे शामिल हैं। उनका अनुमान है कि अगले एक सप्ताह से 10 दिनों के भीतर श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था शुरू हो जाएगी। मंदिर परिसर के अन्य पहलुओं पर बात करते हुए मिश्रा ने पंचवटी वाटिका और आसपास के क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण की योजना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि परिसर में पहले से मौजूद ऋषि आश्रम और पुष्करिणी (जलाशय) की व्यवस्था को संरक्षित किया जाएगा। पंचवटी वाटिका में प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखने की कोशिश की जा रही है। वहां की भूमि, पौधों और संरचना में ज्यादा हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा, "हम प्रकृति को उसी रूप में स्वीकार कर वाटिका का सौंदर्यीकरण करेंगे। वाटिका में मौजूद जलाशय को भी संरक्षित किया जाएगा, ताकि पशु-पक्षी वहां पानी पी सकें।" उन्होंने बताया कि शेषावतार मंदिर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। मंदिर सौंदर्य और भव्यता को बढ़ाने के लिए करीब 45 किलोग्राम सोने का उपयोग हुआ है। उन्होंने बताया कि सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा हुई है, जिसमें मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं को और बेहतर करने पर जोर दिया गया। न्यास इन सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन का अनुभव मिल सके।

मेडिकल स्टोर में चल रहा था अवैध डिलीवरी सेंटर, वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

सीतापुर। सीतापुर जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक मेडिकल स्टोर की आड़ में अवैध रूप से डिलीवरी सेंटर चलाया जा रहा था। इस डिलीवरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा दिया है।

वायरल वीडियो परसेंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र के मेहंदीपुरवा स्थित अलफिशा मेडिकल स्टोर और नेशनल पाली क्लीनिक से जुड़ा बताया जा रहा है। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक अप्रशिक्षित दाई के द्वारा डिलीवरी कराई जा रही है।

हैरानी की बात यह है कि मेडिकल स्टोर संचालक ने खुद ही इस पूरी प्रक्रिया का वीडियो बनाया, जो अब वायरल हो गया है। यह घटना जनपद के कोतवाली लहरपुर क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, यह कोई पहली बार नहीं है जब इस तरह की अवैध गतिविधियों का खुलासा हुआ है।

बताया जा रहा है कि पूर्व में नोडल अधिकारी डॉ. इमरान खां ने भी इस मेडिकल स्टोर को नोटिस थमाई थी, बावजूद इसके अवैध रूप से डिलीवरी का काम जारी था। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब पहले ही इस तरह की अनियमितताओं को लेकर नोटिस जारी की जा चुकी थी, तो फिर इस पर ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

अप्रशिक्षित दाई द्वारा डिलीवरी कराना मां और नवजात दोनों के जीवन के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है। फिलहाल, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है और इस मामले में जांच व कार्रवाई की बात कही जा रही है। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में बिना अनुमति और अप्रशिक्षित लोगों द्वारा चलाए जा रहे अवैध चिकित्सा केंद्रों पर लगाम लगाने की आवश्यकता को फिर से उजागर करती है।

सेना पर बार-बार आरोप लगा राहुल अदा कर रहे पाकिस्तान के प्रवक्ता की भूमिका : केशव प्रसाद

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जिस तरह भारतीय सेना पर बार-बार आरोप लगा रहे हैं, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वह पाकिस्तान के प्रवक्ता की भूमिका में हैं।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पूरी तरह से ह्यबेलगामह्ल हो चुके हैं और उनके बयानों की दिशा अब स्पष्ट रूप से राष्ट्रहित के विरुद्ध दिखाई देने लगी है। राहुल गांधी जिस तरह भारतीय सेना पर बार-बार अनाप-शनाप आरोप लगाते हैं, वह उन्हें एक जिम्मेदार सांसद नहीं, बल्कि पाकिस्तान के प्रवक्ता की भूमिका में खड़ा कर देता है। राहुल गांधी का स्वर न तो देश की जनता के अनुरूप होता है, न ही भारत की संप्रभुता और सुरक्षा की भावना के साथ मेल खाता है - बल्कि उनकी भाषा और भाव-भंगिमा में विदेशी ताकतों की 'डिक्टेशन' साफ झलकती है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जब-जब भारत पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक करता है, तब-तब राहुल गांधी की 'जुबान पाकिस्तानी' हो जाती है। राहुल गांधी अक्सर देश की सेना के पराक्रम पर सवाल उठाकर हमारे जवानों के शौर्य और बलिदान का अपमान करते हैं। जब-जब भारत आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई करता है, जब-जब हमारी सेना दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देती है, तब-तब राहुल गांधी जैसे नेता भारत से ज्यादा चिंता पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय लॉबियों की करने लगते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के नेता अब ह्यराष्ट्रवादह्ल को तुच्छ मानने लगे हैं और 'वोट बैंक' और 'वोटबैंक की पसंद' को प्राथमिकता देने लगे हैं। राहुल गांधी का व्यवहार न केवल संसदीय मर्यादाओं के विरुद्ध है, बल्कि देश की सुरक्षा नीति को कमजोर करने वाला भी है। देश को यह जानने का पूरा अधिकार है कि विपक्ष के नेता किसके इशारे पर भारत के विरुद्ध खड़े हो जाते हैं। मोदी सरकार और देश की जनता सेना के साथ खड़ी है, राष्ट्रवाद के साथ खड़ी है, और ऐसे ह्यबेलगाम बयानवीरोंह्ल को लोकतंत्र की मर्यादा और देशभक्ति का पाठ पढ़ाना अब समय की मांग है।

केशव प्रसाद मौर्य ने अपने 'एक्स' हैंडल से भी पोस्ट करते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने पोस्ट में लिखा, "राहुल गांधी अपने कपार पर संविधान रखकर पूरी दुनिया में 'छुट्टा' घूम रहे हैं। इसके साथ ही वह संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार हमला करने का 'दुस्साहस' भी कर रहे हैं। उनके लिए या तो संविधान एक किताब है या फिर उनका संविधान प्रेम महज एक 'मुखौटा'।

हार ही नहीं, किसी भी राज्य की सत्ता में कांग्रेस की वापसी नहीं होगी : दानिश आजाद अंसारी

लखनऊ । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने एक आर्टिकल के माध्यम से महाराष्ट्र चुनावों में मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया है। उन्होंने इसके साथ ही साथ दावा किया है कि बिहार के आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा 'मैच फिक्सिंग' कर सकती है। राहुल गांधी के इन आरोपों पर उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि बिहार की जनता ने कांग्रेस और राहुल गांधी को नकार दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में बिहार या फिर किसी राज्य में कांग्रेस सत्ता में नहीं लौटेगी।

शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता बिहार का दौरा कर रहे हैं, और ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भी राज्य का दौरा कर चुके हैं। उनके आते ही माहौल और जनभावना ने यह स्पष्ट कर दिया कि बिहार की जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह से नकार दिया है। भविष्य में हार की आशंका को देखते हुए पार्टी ने अभी से चिंता व्यक्त करना शुरू कर दिया है। यह स्पष्ट है कि जनता कांग्रेस से दूर हो गई है, और ऐसा लगता नहीं है कि पार्टी निकट भविष्य में बिहार या किसी अन्य राज्य में सत्ता में वापस आएगी।

राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक आर्टिकल की कॉपी पोस्ट कर कहा कि चुनाव में धांधली भी मैच फिक्सिंग जैसी होती है। जो पक्ष धोखाधड़ी करता है, वो भले ही जीत जाए, लेकिन इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होती हैं और जनता का नतीजों से भरोसा उठ जाता है।

एक सवाल के जवाब में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि हमारी केंद्र की मोदी सरकार ने हमेशा देश के युवाओं को समृद्ध, सशक्त और सक्षम बनाने की दिशा में काम किया है। अग्निवीर योजना इस दिशा में वास्तव में उल्लेखनीय और अभूतपूर्व पहल है। इससे हमारे युवाओं को सेना में जाने का बल मिलेगा।

दानिश आजाद अंसारी ने ईद-उल-अजहा पर कहा कि आज का दिन पवित्र है। पूरे देश में खुशी का माहौल है। त्याग, समर्पण और भाईचारे का यह त्योहार हमारे देश में शांति, सद्भाव और खुशहाली लाए, यही हमारी हार्दिक कामना है।

सीएम योगी के निर्देश पर जल्द पूरे होंगे 20 विभागों से जुड़े 95 बड़े प्रोजेक्ट

लखनऊ । उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश में बड़े स्तर पर सरकारी इन्फ्रास्ट्रक्चर को भविष्य की जरूरतों के अनुसार निर्मित करने पर फोकस कर रही है। इसी कड़ी में सीएम योगी के निर्देश को धरातल पर उतारने के लिए 20 विभागों से संबंधित बड़े निर्माण कार्यों को पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इस विषय में एक खाका तैयार किया गया है जिसके अंतर्गत भवन सेल द्वारा 95 निर्माण कार्यों को 18767 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। इसमें विभागों के कार्यालयों समेत विभिन्न प्रकार के आवासीय-अनावासीय अवसंरचनाओं का निर्माण शामिल है।

कार्ययोजना के अनुसार गृह विभाग के सर्वाधिक 35 कार्यों को 6550 करोड़ की लागत से पूरा करने का लक्ष्य है। जबकि, चिकित्सा शिक्षा, कारागार व उच्च शिक्षा विभाग के भी कई बड़े निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं।

उल्लेखनीय है कि इन 95 निर्माण कार्यों में से 26 की प्रगति 76 से 99 प्रतिशत है, जबकि 10 कार्यों की प्रगति 51 से 75 प्रतिशत के बीच है। बड़ी बात यह है कि 17 कार्यों को रिकॉर्ड समय में पूरा भी कर लिया गया है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार की गई कार्य योजना के अनुसार, गृह विभाग के बाद ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन) मोड पर दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा कार्य चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। इसमें कुल 5357 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। वहीं, उच्च शिक्षा विभाग के 6 निर्माण कार्यों को 773 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा। कारागार विभाग के कुल 7 निर्माण कार्यों को भी 1334 करोड़ रुपए से पूरा करने की तैयारी है।

इसी प्रकार, न्याय विभाग के कुल 3 कार्यों को 1227 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 3 कार्यों को 312 करोड़ की लागत से पूरा करने का लक्ष्य है। वहीं, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग के लिए 324 करोड़ रुपए की लागत से 3 निर्माण कार्यों को पूरा किया जाएगा।

कार्ययोजना के अनुसार, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के लिए 229 करोड़ की लागत से 2 कार्य, राजस्व एवं आपदा विभाग के लिए 350 करोड़ से 2 कार्य, श्रम विभाग के लिए 149 करोड़ की लागत से 2 कार्य तथा राज्य संपत्ति विभाग के लिए 2 निर्माण कार्यों को 182 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा।

इसी प्रकार, आयुष विभाग के लिए 267 करोड़ रुपए, माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए 153 करोड़ रुपए, खेल विभाग के लिए 388 करोड़, नागरिक उड्डयन विभाग के लिए 103 करोड़, नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के लिए 95 करोड़, वित्त विभाग के लिए 187 करोड़, पशुधन विभाग के लिए 277 करोड़, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के लिए 434 करोड़ तथा धर्मार्थ कार्य विभाग के लिए 65 करोड़ की लागत से एक-एक कार्य को पूरा किया जाना प्रस्तावित है।

लोकनिर्माण विभाग द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार भवन सेल द्वारा जिन 20 विभागों के 95 कार्यों को पूरा किया जाना है उनकी प्रगति भी उल्लेखनीय है। खास बात यह है कि इनमें से 17 कार्यों को रिकॉर्ड समय के अंदर पूरा किया जा चुका है।

वहीं, अन्य कार्यों को भी पूरा करने पर तेज गति से कार्य हो रहा है। 95 निर्धारित कार्यों में से 26 की निर्माण प्रगति 76 से 99 प्रतिशत के बीच है। इसी प्रकार, 50 से 75 प्रतिशत निर्माण प्रगति वाले कार्यों की संख्या 10 है, जबकि 5 कार्य ऐसे हैं जिनकी पूर्ति प्रगति 26 से 50 प्रतिशत के बीच है और इनमें से 4 कार्य कारागार विभाग से जुड़े हैं।

उल्लेखनीय है कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के 21 निर्धारित कार्यों में से 9 पूरे हो चुके हैं जबकि 6 कार्यों की प्रगति 76 से 99 प्रतिशत तथा 1 कार्य की प्रगति 50 से 75 प्रतिशत के बीच है। इसी प्रकार, गृह विभाग के 35 में से 2 कार्य पूरे हो चुके हैं जबकि 12 कार्यों की प्रगति 76 से 99 प्रतिशत के बीच है।

जगद्गुरुओं के नाम पर होंगे श्रीराम मंदिर के चारों द्वार, तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ऐतिहासिक बैठक में लिया गया निर्णय

अयोध्या : जगद्गुरुओं के नाम पर होंगे श्रीराम मंदिर के चारों द्वार, तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ऐतिहासिक बैठक में लिया गया निर्णयअयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम मंदिर के चारों मुख्य द्वारों को देश की महान सनातन परंपरा के चार प्रमुख जगद्गुरुओं के नाम पर समर्पित किया जाएगा। यह नामकरण भारतीय दर्शन, भक्ति और वेदांत परंपरा के प्रतीक इन महापुरुषों की स्मृति को चिरस्थायी बनाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की शनिवार को हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में चारों द्वारों के नाम तय किए गए। मणिरामदास छावनी में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता महंत नृत्यगोपाल दास ने की, जिसमें ट्रस्ट के 15 में से 14 ट्रस्टियों की उपस्थिति रही। बैठक में 11 ट्रस्टी सशरीर उपस्थित हुए, जबकि गृह सचिव संजय प्रसाद, वरिष्ठ अधिवक्ता केशव पाराशरन और अयोध्या राजघराने के राजा विमलेंद्र मोहन ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे। एक पद अभी रिक्त है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि मंदिर के चार द्वार क्रमशः जगद्गुरु रामानंदाचार्य, जगद्गुरु मध्वाचार्य, जगद्गुरु शंकराचार्य, और जगद्गुरु रामानुजाचार्य के नाम पर होंगे। ये नाम भारतीय आध्यात्मिकता के चार स्तंभों के प्रतीक हैं, जिन्होंने देश के कोने-कोने में वेदांत, भक्ति और ज्ञान का प्रचार किया। मौजूदा समय में इन द्वारों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

मऊ के कुख्यात अपराधी रमेश सिंह 'काका' को पहली बार मिली सजा पुलिस-प्रशासन ने ली राहत की सांस

लखनऊ। मऊ जिले के सरायलाखंसी थाना क्षेत्र केथवली गांव निवासी कुख्यात अपराधी और सजायाफ्ता कैदी रमेश सिंह 'काका' को आखिरकार पहली बार किसी मामले में सजा सुनाई गई है। कुल 72 मुकदमों का सामना कर रहे इस अपराधी को 4 साल की जेल की सजा सुनाने के बाद उसे जेल भेज दिया गया, जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

पुलिस विभाग के अनुसार, रमेश सिंह 'काका' पर जनपद के अलग-अलग थानों में 63 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि अन्य जनपदों में भी उसके खिलाफ 9 मामले लंबित हैं। उसके खिलाफ दर्ज अधिकांश मामले हत्या, लूट, रंगदारी, मारपीट और धमकी जैसे गंभीर अपराधों से संबंधित हैं। जनपद में 'काका' की दहशत का आलम यह था कि उसके डर से लोग अपने मुकदमे वापस ले लेते थे। यही नहीं, न्यायालय में गवाही के दौरान गवाह भी मुकर जाते थे, जिसके कारण पुख्ता सबूतों के अभाव में वह 41 मुकदमों में बरी हो चुका था।

इस वजह से वह लगातार अपराध पर अपराध करता रहता था और पुलिस उसे गिरफ्तार भी कर लेती थी, लेकिन न्यायालय से उसे बार-बार राहत मिल जाती थी। कुख्यात 'काका' की दहशत इतनी थी कि कोई भी उम्मीदवार उसके खिलाफ चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं कर पाता था। इसका नतीजा यह रहा कि वह एक बार खुद और एक बार अपनी पत्नी को 'प्रमुख' बनवाने में कामयाब रहा। हालांकि, अब उसे जेल भेजे जाने के बाद से पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली है। इस सजा को 'काका' के आपराधिक साम्राज्य के लिए एक बड़ी चोट माना जा रहा है और उम्मीद की जा रही है कि इससे क्षेत्र में उसकी दहशत कम होगी तथा कानून-व्यवस्था में सुधार आएगा।

भारतीय टीम में शामिल असम के दो भारोत्तोलक

शिवसागर (असम)। शिवसागर के भारोत्तोलक संघ के खिलाड़ी आईसेंग्फा गोगोई और पंचमी सोनोवाल ने भारत की टीम में स्थान प्राप्त किया। आगामी 1 से 10 जुलाई तक कजाकिस्तान में जूनियर एशियन गेम्स भारोत्तोलन चैंपियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें असम के ये दोनों खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वर्तमान में लखनऊ में प्रशिक्षण में व्यस्त ये दोनों खिलाड़ी शिवसागर के भारोत्तोलक संघ की देखरेख में 2022 से प्रशिक्षण कर रहे थे। 2025 में बिहार में आयोजित हुए राष्ट्रीय खेलो इंडिया में आईसेंग्फा गोगोई ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। भारतीय टीम में दोनों खिलाड़ियों के शामिल होने पर शिवसागर भारोत्तलन संघ ने नामती शहीद पियली फुकन महाविद्यालय के व्यायामशाला में दोनों खिलाड़ियों के माता-पिता को सम्मानित किया गया। दोनों खिलाड़ियों के प्रशिक्षक ने यह उम्मीद जताई है कि भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए निश्चित रूप से दोनों जीत हासिल करेंगे।

ताइवान एथलेटिक्स ओपन में भारतीय खिलाड़ियों की दमदार शुरुआत, जीते चार स्वर्ण

नई दिल्ली। ताइवान एथलेटिक्स ओपन 2025 की शुरुआत भारतीय एथलीटों के शानदार प्रदर्शन के साथ हुई। पहले ही दिन भारत ने चार स्वर्ण पदक अपने नाम किए। महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में पूनम ने भारत के लिए खाता खोला और 4:11.65 का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। पिछले महीने उन्होंने दक्षिण कोरिया के गुमी में आयोजित एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इसी स्पर्धा में 4:10.83 के समय के साथ रजत पदक हासिल किया था, जबकि 800 मीटर दौड़ में कांस्य पदक भी जीता था। भारत को दूसरी सफलता पुरुषों की ट्रिपल जंप स्पर्धा में अब्दुल्ला अबूबकर ने दिलाई। उन्होंने तीसरी कोशिश में 16.21 मीटर की छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इसके बाद भारत ने स्प्रिंट हर्डल्स की दोनों स्पर्धाओं में भी स्वर्ण पदक जीते। ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में 12.99 सेकंड के समय के साथ जीत दर्ज की। अंतिम बाधा तक वह दूसरे स्थान पर थीं, लेकिन आखिरी क्षणों में दमदार फिनिश के दम पर उन्होंने बाज़ी पलट दी। तेजस शिर्से ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.52 सेकंड का सीजन बेस्ट समय दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय पुरुष और महिला 4×100 मीटर रिले टीमें दिन में बाद में मैदान पर उतरेंगी।

फ्रेंच ओपनःनोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में पहुंचे सिनर, अल्काराज से होगा सामना

पेरिस। टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में उनका सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा। अल्काराज ने एक अन्य सेमीफाइनल में लोरेन्जो मुसेत्ती को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी सिनर ने कोर्ट फिलिप शात्रिए पर जोकोविच को 6-4, 7-5, 7-6 (7/3) से हराकर अपना पहला फ्रेंच ओपन फाइनल खेलना तय किया। 23 वर्षीय सिनर ने मैच के बाद कहा, वो हमारे खेल के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ी हैं, उनके खिलाफ यहां खेलना शानदार अनुभव है। कोर्ट पर उतरने से पहले थोड़ा तनाव होता है, लेकिन मैंने कोशिश की कि उस पर ध्यान न दूं। 38 वर्षीय जोकोविच ने हमेशा की तरह जुझारूपन दिखाया और तीन घंटे 16 मिनट तक चले मुकाबले में खूब संघर्ष किया, लेकिन तीसरे सेट में तीन सेट पॉइंट गंवाने के बाद वापसी की उम्मीदें टूट गईं। अब जोकोविच अगले महीने विंबलडन में 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने की कोशिश करेंगे।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का बेल्जियम,ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स से होगा मुकाबला

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना के रोसारियो में आयोजित चार देशों के टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन के बाद अब यूरोपीय दौरे पर पहुंच चुकी है। यह दौरा 8 जून से 17 जून तक चलेगा, जिसमें टीम बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स के खिलाफ पांच मुकाबले खेलेगी। भारतीय टीम इस दौरे की शुरुआत बेल्जियम के एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लीन में तीन मुकाबलों से करेगी। इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया से बेल्जियम के ही बीयरशॉट टेनिस हॉकी पैडल क्लब, कॉन्टिच में भिड़ेगी और अंत में नीदरलैंड्स के उत्रेक्ट में स्थित हॉकी क्लब कामपोंग में एक मुकाबले के साथ दौरे का समापन करेगी। अर्जेंटीना दौरे पर भारतीय टीम ने मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। चिली के खिलाफ टीम ने एक मुकाबला 2-1 से जीता और एक मुकाबला 2-2 (2-3 शूटआउट) से गंवाया। मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ एक मुकाबला 1-1 (2-0 शूटआउट) से जीता और एक 2-4 से हारा।

इंग्लैंड में आयोजित मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी20 सीरीज के लिए जयपुर में ट्रेनिंग कैंप शुरू

एजेंसी

जयपुर। भारतीय पुरुष मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 जून से शुरू हो रही सात मैचों की टी20 सीरीज से पहले रविवार को जयपुर में अपनी तैयारी का आगाज कर दिया है। सीरीज की शुरुआत 21 जून को इंग्लैंड के टॉनटन में मुकाबले से होगी। इसके बाद दूसरा टी20 मुकाबला 23 जून को वर्म्सले में शाम 5:00 बजे से खेला जाएगा। श्रृंखला का समापन 3 जुलाई को ब्रिस्टल में सातवें टी20 मैच के साथ होगा। जयपुर में चल रहे इस ट्रेनिंग कैंप में खिलाड़ी मुख्य कोच रोहित झालानी सहित अन्य प्रशिक्षकों की देखरेख में गहन बल्लेबाजी और गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं, ताकि वे तकनीक के साथ-साथ अपनी तैयारियों को और मजबूत कर सकें। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) द्वारा आयोजित यह कैंप 8 जून से 13 जून तक

जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में आयोजित किया गया है। सभी चयनित खिलाड़ी जयपुर पहुंच चुके हैं और फिटनेस, मैच की तैयारी और टीम समन्वय पर केंद्रित गहन सत्रों में भाग ले रहे हैं। ट्रेनिंग के बारे में बताते हुए मुख्य कोच रोहित झालानी ने कहा कि यह कैंप हमारी तैयारियों के लिए बेहद अहम है। खिलाड़ी पूरा समर्पण दिखा रहे हैं, जिसके बाद मैं यह कह सकता हूं कि यह टीम इंग्लैंड के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान ने कहा कि हम इंग्लैंड दौरे को लेकर बहुत उत्साहित हैं। हमें गर्व है कि हमारी टीम इंग्लैंड के मैदानों में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही है और इसके लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

भारतीय टीम

रविंद्र गोपीनाथ शांते (कप्तान) (पीडी), वीरेन्द्र सिंह (उप-कप्तान) (बधिर), राधिका प्रसाद (पीडी), राजेश इरप्पा कन्नूर (पीडी), योगेन्द्र सिंह (विकेटकीपर), नरेंद्र मंगोरे (पीडी), विक्रांत रविंद्र केनी (पीडी), साई आकाश (बधिर), उमर अशरफ (बधिर), संजू शर्मा (बधिर), अभिषेक सिंह (बधिर), विवेक कुमार (बधिर), विकास गणेशकुमार (आई), प्रवीण नैलवाल (आईडी), ऋषभ जैन (आईडी), तरुण (आईडी)

रिजर्व खिलाड़ीः माजिद मगरे (पीडी), कुलदीप सिंह (बधिर), कृष्णा गौड़ा (बधिर), जितेन्द्र नागराजू (पीडी)

संयम अग्रवाल 14 साल की उम्र में बने उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के कोच

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी संयम अग्रवाल 14 साल की उम्र में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन (यूपीटीए) के कोच बन गये हैं। संयम अग्रवाल ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट फर्स्ट डेन प्राप्त हैं। अलोक ताइक्वांडो अकादमी मुरादाबाद के संचालक आलोक कुमार ब्लैक बेल्ट 4 डैन ने बताया कि लखनऊ में केडी सिंह स्टेडियम में 5वीं भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई ताइक्वांडो प्रतियोगिता 15 मई से 18 मई तक आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में आलोक ताइक्वांडो अकैडमी मुरादाबाद को उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजकुमार ने ताइक्वांडो कोच लाइसेंस का सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया था। फर्स्ट डेन ब्लैक बेल्ट संयम अग्रवाल को सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर बनवटा गंज मुरादाबाद में आयोजित ब्रेकिंग एंजाम के बाद कोच लाइसेंस देकर बधाई दी। इस दौरान मुख्य रूप से मानवी मल्होत्रा ब्लैक बेल्ट 2 डैन), यश कुमार ब्लैक बेल्ट 2 डैन, शिव त्यागी ब्लैक बेल्ट 1 डैन उपस्थित रहे।

एमपीएल युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर दिखाने का एक सशक्त माध्यमः आलोक बिड़ला

एजेंसी

ग्वालियर। ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से शुरू हो रही मध्यप्रदेश लीग (एमपीएल) की टीम रीवा जैगुआर्स के मालिक आलोक बिड़ला का मानना है कि यह लीग उभरते क्रिकेटरों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर दिखाने का एक सशक्त माध्यम है। मध्य प्रदेश लीग की शुरूआत 12 जून से होने जा रही है। लीग में 7 पुरुष टीमें आपस में भिड़ेंगी। पहली बार महिला क्रिकेटर्स की 3 टीमें भी लीग में उतर रही हैं। लीग के सभी मैच श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में होंगे। लीग की शुरुआत से पहले रीवा जैगुआर्स के मालिक बिड़ला ने कहा कि मैं एक ऐसी फ्रेंचाइजी बनाना चाहता हूं जहां खिलाड़ियों को उनके जीवनयापन के साथ-साथ उनके अवसरों में भी लाभ मिले, क्योंकि मेरी सोच सिर्फ एमपीएल में हिस्सा लेने की नहीं, बल्कि उन्हें मानसिक तथा शारीरिक रूप से फिट बनाना भी है। मेरा हमेशा से यह विचार रहा है कि अगर खिलाड़ी फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े रहते हैं तो वे और अधिक बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिंदगी में हर कोई एक ऐसा मौका चाहता है जहां वह अपनी प्रतिभा, कौशल और हुनर दिखा सके। फिर वह कोई भी क्षेत्र हो। तो मध्य प्रदेश

लीग एक ऐसा मंच, एक ऐसा अवसर और एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां आप खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार कर सकते हैं। खिलाड़ी शिवम शुक्ला का उदाहरण देते हुए बिड़ला ने कहा कि उन्होंने पिछले एमपीएल सीजन में शानदार प्रदर्शन किया और हाल ही में आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिप्लेसमेंट के रूप में चुने गए। कोई नहीं जानता था कि एमपीएल के पहले सीजन के बाद ही वह केकेआर का हिस्सा बन जाएंगे। यही कारण है कि हर कोई मध्य प्रदेश लीग में खेलने की इच्छा रखता है। यह मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा प्रदान किया गया ऐसा मंच है, जहां उन सभी युवा प्रतिभाओं के लिए अवसर हैं जो मध्य प्रदेश में जन्मे और पले-बढ़े हैं और क्रिकेट को अपना जीवन मानते हैं।

पुरुष टीमें:

ग्वालियर चीता, भोपाल लेपर्ड्स, जबलपुर रॉयल लायंस, रीवा जैगुआर्स, इंदौर पिंक पैंथर्स, चंबल घड़ियाल्स, बुंदेलखंड बुल्स

इस बार मध्य प्रदेश लीग के दूसरे सीजन में महिलाओं की लीग भी होगी। महिला लीग में चंबल घड़ियाल्स, भोपाल वुल्व्स और बुंदेलखंड बुल्स की टीमें भाग लेंगी।

एफआईएच प्रो लीगः नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत को मिली हार

एजेंसी

एम्स्टलवीन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के नीदरलैंड्स चरण के अपने पहले मुकाबले में मेजबान टीम के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से एकमात्र गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 19वें मिनट में किया, जबकि थाइस वान डैम ने 29वें और 58वें मिनट में गोल कर नीदरलैंड्स को जीत दिलाई। भारतीय टीम ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और गेंद पर अच्छा नियंत्रण बनाए रखा। दिलप्रीत सिंह को पहले क्वार्टर में गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन डच गोलकीपर मॉरिट्स विसर ने शानदार बचाव किया। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हुआ। दूसरे क्वार्टर में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे हरमनप्रीत सिंह ने दमदार अंदाज में गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। लेकिन यह बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। थाइस वान डैम ने 29वें मिनट में जवाबी हमला करते हुए नीदरलैंड्स के लिए बराबरी का गोल कर दिया और स्कोर 1-1 पर पहुंच गया। दूसरे हाफ में भारतीय

मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन संघर्ष करती नजर आई। भारत ने कुछ लम्बे एरियल पास के ज़रिए मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन डच डिफेंस ने उसे रोक दिया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने रक्षात्मक खेल दिखाया और कोई गोल नहीं हुआ। मैच के अंतिम क्षणों में नीदरलैंड्स ने दबाव बढ़ाया और 58वें मिनट में एक सटीक पास को थाइस वान डैम ने बेहतरीन फर्स्ट टच और तेज़ शॉट के साथ गोल में बदलकर टीम को निर्णायक बढ़त दिला दी। भारत ने आखिरी पलों में बराबरी की कोशिश की, लेकिन डच डिफेंस ने कोई मौका नहीं दिया।

कोको गौफ ने पहली बार फ्रेंच ओपन खिताब जीता, एरिना सबालेंका को हराया

एजेंसी

पेरिस। अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गौफ ने फ्रेंच ओपन 2025 के महिला एकल फाइनल में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को 6-7 (5), 6-2, 6-4 से हराकर अपना पहला रोलां-गैरो खिताब जीत लिया। यह गौफ का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है, इससे पहले उन्होंने 2023 यूएस ओपन जीता था।पहला सेट टाई-ब्रेक में गंवाने के बावजूद गौफ ने शानदार वापसी की और दूसरे सेट में सबालेंका को 6-2 से पछाड़ा। निर्णायक सेट में सबालेंका ने तेज शुरुआत की, लेकिन गौफ ने आत्मविश्वास और निरंतरता के साथ खेलते हुए उन्हें बार-बार बैकहैंड एरर और डबल फॉल्ट करने पर मजबूर किया। तीसरे सेट में एक उत्कृष्ट रैली के दौरान गौफ ने नेट पर शानदार

विनर लगाकर दर्शकों से जमकर तालियां बटोरीं। मैच का निर्णायक मोड़ तब आया जब सबालेंका ने 2-1 की स्थिति में डबल फॉल्ट कर ब्रेक दिया। हालांकि उन्होंने 3-3 पर वापसी की कोशिश की, लेकिन गौफ ने दो और सर्विस होल्ड करते हुए 2 घंटे 38 मिनट में मैच जीत लिया। जैसे ही सबालेंका ने गौफ के दूसरे मैच प्वाइंट पर बैकहैंड वाइड मारा, गौफ कोर्ट पर गिर पड़ीं और चेहरे को दोनों हाथों से ढक लिया। उन्होंने नेट पर सबालेंका को गले लगाया और फिर फिल्म निर्देशक स्पाइक ली के साथ गले मिलकर जीत का जश्न मनाया। यह वही रोलां-गैरो कोर्ट है, जहां तीन साल पहले गौफ को अपने पहले फाइनल में हार मिली थी। सिर्फ 21 वर्ष की उम्र में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुकीं गौफ अब विश्व टेनिस में एक स्थायी शक्ति के रूप में स्थापित हो रही हैं। उनकी मानसिक दृढ़ता, कोर्ट पर तेजी, और तकनीकी समझ ने उन्हें आज के युग की सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में शुमार कर दिया है। उल्लेखनीय है कि इस मुकाबले में एक ऐतिहासिक घटना घटी जो पिछले तीन दशकों में सिर्फ दूसरी बार हुआ, जब फ्रेंच ओपन के महिला एकल फाइनल में विश्व की नंबर 1 और नंबर 2 खिलाड़ी आमने-सामने थीं।

ताइक्वांडो के 51 खिलाड़ियों ने दिया बेल्ट व ब्रेकिंग एग्जाम

एजेंसी

मुरादाबाद। अलोक ताइक्वांडो अकादमी द्वारा सरस्वती शिशु मन्दिर बनवटा गंज मुरादाबाद में ब्रेकिंग एंजाम का आयोजन किया गया है। इसमें 51 ताइक्वांडो खिलाड़ियों द्वारा अपनी बेल्ट एवं ब्रेकिंग एग्जाम दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि इंजीनियर नॉर्थ रेलवे मुरादाबाद आशुतोष कुमार, सरस्वती शिशु मंदिर की प्रधानाचार्या मंजू शर्मा उपस्थित रहीं। अलोक ताइक्वांडो अकादमी के संचालक आलोक कुमार ब्लैक बेल्ट 4 डैन ने बताया कि अकादमी की मई बेल्ट परीक्षा सूची में शामिल आरवी बरनवाल, वाची खन्ना, अद्विक सक्सेना, संकल्प मिश्रा, आरुष कुमार प्रसाद, मयंक प्रकाश पाठक, शौर्य, रीदित अग्रवाल, चहेक जोशी, नव्या, नव्या सिंह, अमाया गुप्ता, गौरांश अरोड़ा, कुमार शांतनु, अर्शित गुप्ता, बार्बी, आराध्या सिंह, अनिरुद्ध सिंह, लव कुशल, अभय कुशल, रिद्धि दिवाकर, हर्षित कुमार, शिवांश दिवाकर, प्रज्ञा अग्रवाल, मानवी, अदभुत सिंह प्रियदर्शी, दिव्यांश चंद्रा, आरुषि राजपूत, कियान, यशिता शर्मा, वरेण्या शर्मा, आंशी सैनी, कुमकुम, कनिष्का, जतिन वर्मा, अभिनव चौधरी, कृष्ण रावत, प्रिंस जोशी, मोहित सैनी, शिविका पासन, सारांश मदान, अधर्व व्यास, अक्षत प्रताप, श्रेयांश भटनागर, निशि, युवराज खन्ना, आरुष रस्तोगी, अनंत कुमार, रिधान रस्तोगी, आर्यन भटनागर, व्याख्या भटनागर ने आज अपनी बेल्ट का एग्जाम व ब्रेकिंग एग्जाम दिया।

किरेन रिजिजू ने मोदीनगर में वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स अकादमी के रेजिडेंशियल विंग का उद्घाटन किया

एजेंसी

मोदीनगर। केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मोदीनगर स्थित वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स अकादमी के रेजिडेंशियल विंग का उद्घाटन किया।

यह वही अकादमी है, जहां ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू प्रशिक्षण लेती हैं। इस उद्घाटन के साथ ही भारत के 2036 ओलंपिक की तैयारियों में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है।सितंबर 2024 में भारत के चीफ नेशनल कोच विजय शर्मा द्वारा स्थापित इस अत्याधुनिक केंद्र में अब 30 सुसज्जित कमरों में 60 एथलीटों के रहने की व्यवस्था हो चुकी है। फिलहाल यहां 8 से 14 वर्ष की उम्र के 40 नवोदित खिलाड़ी और 15 वरिष्ठ एथलीट प्रशिक्षण ले रहे हैं। रिजिजू ने कार्यक्रम में कहा, मैं वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स की टीम को बधाई देता हूं कि अब उनका रेजिडेंशियल सेंटर भी खुल गया है।

मैं केवल शुभकामनाएं नहीं दे रहा, बल्कि मुझे विश्वास है कि यहां से एक बड़ा चैंपियन निकलेगा। मैंने कई अकादमियां देखी हैं, लेकिन विजय शर्मा ने जिस समर्पण से इसे चलाया है, वह वास्तव में अद्वितीय है। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने अपने उद्गार में कहा, +2036 ओलंपिक सिर्फ एक सपना नहीं है, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। जब आप ट्रेनिंग करते हैं, तब 140 करोड़ भारतीयों के सपनों को अपने साथ लेकर चलते हैं। मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने कहा कि जिस अकादमी का सपना देखा था, वह आज साकार हो गया है। मीराबाई के साथ ये बच्चे ट्रेनिंग करेंगे, और मुझे विश्वास है कि ये आने वाले ओलंपिक में देश का नाम रोशन करेंगे। यह अकादमी खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत संचालित होती है और इसे युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई), ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट और भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) का समर्थन प्राप्त है।

सुविधाओं में आधुनिक जिम, रिकवरी जोन, स्टीम, सॉना और आइस बाथ की व्यवस्था है। अकादमी में सात कोच, तीन फिजियोथेरेपिस्ट और दो प्रमाणित मसाज विशेषज्ञ कार्यरत हैं। यह पहल न केवल खेल प्रतिभाओं को तराशने की दिशा में मील का पत्थर है, बल्कि यह भविष्य के ओलंपिक सितारों के लिए एक मजबूत नींव भी साबित होगी।

नॉर्वे शतरंज 2025: मैग्नस कार्लसन ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

स्टावेंजर। विश्व शतरंज के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में से एक नॉर्वे शतरंज 2025 का समापन रोमांचक अंदाज में हुआ, जिसमें मेजबान देश के सुपरस्टार मैग्नस कार्लसन ने रिकॉर्ड सातवीं बार खिताब अपने नाम किया। वहीं महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुज़िचुक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी जीत हासिल की। आखिरी राउंड में कार्लसन का सामना भारत के अर्जुन एरिगैसी से था। काले मोहरों से खेलते हुए कार्लसन पर हार का खतरा मंडरा रहा था। यदि वह यह मुकाबला हारते तो खिताब उनसे फिसल सकता था। लेकिन दबाव के बीच उन्होंने सटीक बचाव किया और थ्रीफोल्ड रिपिटिशन के ज़रिए ड्रॉ सुनिश्चित कर खिताब अपने नाम कर लिया। भले ही इसके बाद वह अर्मागेडन गेम हार गए, लेकिन क्लासिकल ड्रॉ ने उन्हें पहले ही विजेता बना दिया था।

गुकेश मुझे 2008-09 के अपने दौर की याद दिलाते हैं : मैग्नस कार्लसन

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉर्वे चेस 2025 का खिताब जीतने के बाद शतरंज के पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश की जमकर तारीफ की है। कार्लसन ने कहा कि गुकेश की मौजूदा शैली उन्हें खुद की शुरुआती शतरंज यात्रा, खासकर 2008-09 के दौर की याद दिलाती है कार्लसन ने कहा, गुकेश का खेल मुझे उस समय की याद दिलाता है जब मैं शतरंज में उभर रहा था। मैं भी तब कई बार नियंत्रण खो देता था लेकिन परिणाम निकाल लेता था। वर्ष 2008 के लीनारेस टूर्नामेंट में भी ऐसा ही हुआ था जब आनंद पहले स्थान पर आराम से चल रहे थे और मैं काफी अराजक तरीके से खेलते हुए कुछ ऐसे नतीजे निकाल रहा था जो शायद मेरे शुद्ध कौशल से मेल नहीं खाते थे। कार्लसन ने माना कि युवा खिलाड़ी सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी भी बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, गुकेश और अर्जुन (एरिगैसी) जैसे खिलाड़ी खेल के कई हिस्सों में

अभी भी मेरे, फबियानो (कारुआना) और हिकारू (नाकामुरा) जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से पीछे हैं, लेकिन यह स्वाभाविक है, क्योंकि हम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और उनसे हर पहलू में बराबरी की उम्मीद करना जल्दबाज़ी होगी। इस टूर्नामेंट में डी. गुकेश ने पहली बार क्लासिकल फॉर्मेट में मैग्नस कार्लसन को हराकर इतिहास रच दिया था और आखिरी राउंड तक खिताब की दौड़ में बने हुए थे। हालांकि अंतिम राउंड में फबियानो कारुआना से हार के बाद वह तीसरे स्थान पर रहे। कार्लसन ने गुकेश के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, यह बहुत प्रेरणादायक है कि गुकेश इतने खराब पोजिशन में भी मुकाबले में बने रहते हैं और खिताब के लिए चुनौती पेश करते हैं। यह उसी प्रक्रिया का हिस्सा है जिससे हर युवा खिलाड़ी गुजरता है। कार्लसन का मानना है कि डी. गुकेश और अर्जुन जैसे युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भविष्य में विश्व चैंपियन बनने की क्षमता रखते हैं, बशर्ते वे खेल के हर पहलू में लगातार सुधार करें। गौरतलब है कि गुकेश हाल ही में विश्व चैंपियन बने हैं और अब वो क्लासिकल शतरंज में भी खुद को शीर्ष स्तर पर स्थापित करने की ओर बढ़ रहे हैं।

हार्दिक सिंह ने पूरे किए 150 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले, हॉकी इंडिया ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

एम्स्टर्डम। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने करियर का 150वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। यह उपलब्धि उन्होंने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के पहले मैच में नीदरलैंड के खिलाफ हासिल की। उनकी इस उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने उन्हें शुभकामनाएं दी है।पंजाब के जालंधर से ताल्लुक रखने वाले 26 वर्षीय मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत 2018 हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी से की थी, जिसमें भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। तब से लेकर अब तक उन्होंने लगभग हर बड़े टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी योग्यता और स्थायित्व का लोहा मनवाया है। हार्दिक भारत की उस ऐतिहासिक टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में कांस्य पदक जीते।

इसके साथ ही बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में रजत पदक, हांगझो एशियन गेम्स 2022 और 2023 चेन्नई एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक, तथा 2018 मस्कट एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किए। हार्दिक को 2021 में अर्जुन पुरस्कार, 2022 व 2023 में

हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड और 2024 में अजीत पाल सिंह मिडफील्डर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से नवाजा गया है। अपनी इस उपलब्धि पर हार्दिक ने कहा,यह मेरे लिए एक भावुक क्षण है। भारत की जर्सी पहनना मेरे लिए हमेशा गर्व की बात रही है। 150 मैच पूरे करना किसी सपने के सच होने जैसा है। इस यात्रा में बहुत कुछ सीखा, सहा और कई यादगार पल मिले। मैं अपने कोचों, साथियों और परिवार का धन्यवाद करता हूं जो हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। आगे भी देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देता रहूंगा।

हॉकी इंडिया ने दी बधाई

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप तिर्की ने हार्दिक को बधाई देते हुए कहा, हार्दिक ने खुद को विश्व हॉकी के सबसे भरोसेमंद और चतुर मिडफील्डर्स के रूप में स्थापित किया है। मैच के दौरान उनका संतुलन और दबाव में खेलने की क्षमता उन्हें विशेष बनाती है। हम उन्हें इस उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि 26 वर्ष की उम्र में 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना हार्दिक की प्रतिबद्धता, अनुशासन और फिटनेस का प्रमाण है। वे भारतीय हॉकी के एक प्रेरणास्रोत खिलाड़ी हैं। उनके योगदान पर हमें गर्व है।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.2 अरब डॉलर गिरकर 691.5 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी गिरावट आने से 30 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.2 अरब डॉलर लुढ़ककर 691.5 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 692.7 अरब डॉलर पर रहा था।रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 30 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.95 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 584.2 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 72.3 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 84.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर 20 लाख डॉलर गिरकर 18.6 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 60 लाख डॉलर की गिरावट आई और यह पिछले सप्ताह के मुकाबले घटकर 4.3 अरब डॉलर पर आ गई

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.21 प्रतिशत बढ़कर 64.77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 66.65 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

ई-मार्केट प्लेटफार्मों को भ्रामक अलर्ट, अनुचित व्यापार व्यवहार पर रोक लगाने के निर्देश

नयी दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि उनके नेटवर्क पर उपभोक्ताओं को अत्यावश्यक अलर्ट (सूचना) और भ्रामक विज्ञापनों या किसी प्रकार के अनुचित व्यापार व्यवहार में न फंसाया जाये। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'सभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को सलाह दी गयी है कि वे परामर्श जारी होने के तीन महीने के भीतर डार्क पैटर्न की पहचान करने के लिए स्व-ऑडिट करें और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठायें कि उनके प्लेटफॉर्म ऐसे डार्क पैटर्न से मुक्त हों।' डार्क पैटर्न ऐसे भ्रामक प्रयासों को कहा जाता है, जिनमें ग्राहकों को स्टॉक खत्म होने या किसी प्रलोभन के जरिये माल की बुकिंग तत्काल करने के लिए उकसाया जाता है। सीसीपीए ने स्व-ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को यह भी स्व-घोषणा देने के लिए प्रोत्साहित किया है कि उनका प्लेटफॉर्म किसी भी डार्क पैटर्न में लिप्त नहीं है। विज्ञप्ति के अनुसार यह उपाय उपभोक्ताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के बीच विश्वास मजबूत करने की दृष्टि से किया गया है। सीसीपीए ने कुछ मामलों में डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते पाये गये ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को नोटिस भी जारी किये हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने डार्क पैटर्न के उल्लंघन की पहचान करने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया है। इसमें संबंधित मंत्रालयों, नियामकों, स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों और एनएलयू के प्रतिनिधि शामिल हैं।

रिलायंस डिजिटल का 'शॉप एंड विन' 30 करोड़ रुपये तक के इनाम के साथ खरीदारी को जीत में बदल देता है

मुंबई। इंडिया के लीडिंग इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, रिलायंस डिजिटल अपने आकर्षक शॉप एंड विन अभियान के लॉन्च के साथ आपके शॉपिंग अनुभव को बनाने वाले हैं थोड़ा और मजेदार, यहां आपको मिलेगा एक ऐसा मौका जहां हर खरीदारी पर आप जीतेंगे बड़े इनाम. 31 अगस्त तक, रिलायंस डिजिटल स्टोर्स, माय जियो स्टोर्स और reliancedigital.in पर ऑनलाइन खरीदारी करने वाले ग्राहकों को 30 करोड़ तक के इनाम जीतने का मौका मिलेगा- 25 कार 40 बाइक 450+ इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स लैपटॉप और वॉशिंग मशीन खरीदने वालों के लिए निश्चित उपहारइसके अलावा, 15 जून तक ICICI बैंक कार्ड्स का उपयोग करके 15000 तक इंस्टेंट डिस्काउंट का फायदा उठाएं. लैपटॉप खरीदने वालों को 1 करोड़ के प्राइज़ पूल से स्कॉलरशिप जीतने का भी मौका मिलेगा. मौका न चूकें, आज ही शॉपिंग करें और हर खरीदारी को जीत में बदलें! *नियम एवं शर्तें लागू. लकी ड्रॉ तमिलनाडु में लागू नहीं है.रिलायंस डिजिटल के बारे में :रिलायंस डिजिटल भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर है, यह 600 से ज्यादा शहरों में मौजूद है, जिसमें 650 से भी ज्यादा बड़े फॉर्मेट वाले रिलायंस डिजिटल स्टोर्स और 990 से भी ज्यादा माय जियो स्टोर्स हैं, जो देश के हर नुक्कड़ और कोने में ग्राहकों की सेवा में कार्यरत हैं और सभी के लिए बिल्कुल नई टेक्नोलॉजी पहुंच में ला रहे हैं।

सर्राफा बाजार में लुढ़का सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख बना हुआ है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के 'यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये से लेकर 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,800 रुपये से लेकर 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,07,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के 'यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो चुका है। सोने के विपरीत चांदी की कीमत में सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के

दौरान 8 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य रा'यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों रा'यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर 16वें वित्त आयोग के अंशकालिक सदस्य नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। वे अपना कार्यभार संभालने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक यानी 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो, अपने पद पर बने रहेंगे।वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रपति ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया है। वे कार्यभार संभालने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक यानी 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे। टी. रबी शंकर की नियुक्ति 16वें वित?त आयोग के पूर्णकालिक सदस्यों में से एक अजय नारायण झा के व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा देने के परिणामस्वरूप हुई है। 16वें वित्त आयोग का गठन 31 दिसंबर, 2023 को किया गया था, जिसके अध्यक्ष नीति आयोग के पूर्व

उपाध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया हैं। 16वें वित्त आयोग को 01 अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करनी हैं।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् के चेयरमैन के रूप में महेंद्र देव ने पदभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान के पूर्व कुलपति एस महेंद्र देव ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ईएसी-पीएम) के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। अर्थशास्त्री देव ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी की जगह ली, जो ईएसी-पीएम का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे।मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा जारी आदेश में पहले कहा गया था कि प्रधानमंत्री ने दो साल या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। इसमें तीन पूर्णकालिक सदस्यों संजीव सान्याल, संजय कुमार मिश्रा और शमिका रवि को बरकरार रखा गया है, जबकि नए अंशकालिक सदस्यों में सौम्य कांति घोष (एसबीआई में समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार) शामिल हैं। अन्य अंशकालिक सदस्यों में राकेश मोहन, साजिद चेनॉय, नीलकंठ मिश्रा, नीलेश शाह, टीटी राम मोहन,

केवी राजू, चेतन घाटे, पामी दुआ, पुलक घोष और गौरव वल्लभ शामिल हैं। देव इससे पहले इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू) के संपादक और एक्सिस बैंक के स्वतंत्र निदेशक के तौर पर भी काम कर चुके हैं। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से एमफिल और पीएचडी तथा येल यूनिवर्सिटी (अमेरिका) से पीएचडी करने के बाद शोध किया है। इसके अलावा उन्होंने विकास अर्थशास्त्र, व्यापक आर्थिक नीतियों, कृषि क्षेत्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर 22 किताबें और करीब 150 शोध प्रकाशन लिखे हैं और संपादित किए हैं। उल्लेखनीय है कि ईएसी-पीएम पिछले नवंबर से पूर्णकालिक अध्यक्ष के बिना था, क्योंकि इसके पहले अध्यक्ष बिबेक देबरॉय का निधन हो गया था।

सीसीपीए का ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को 3 महीने के भीतर स्व-ऑडिट करने का परामर्श जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को डार्क पैटर्न का पता लगाने और उसका समाधान सुनिश्चित करने के लिए 3 महीने के भीतर स्व-ऑडिट करने का परामर्श जारी किया है।

सीसीपीए ने कुछ मामलों में ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म को नोटिस भी जारी किए हैं, जो डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते पाए गए हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि सभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को सलाह दी गई है कि वे एडवाइजरी जारी होने के 3 महीने के भीतर डार्क पैटर्न की पहचान करने के लिए स्व-ऑडिट करें। साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं कि उनके प्लेटफॉर्म ऐसे डार्क पैटर्न से मुक्त हों। मंत्रालय के मुताबिक सेल्फ-ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को यह भी स्व-घोषणा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है कि उनका प्लेटफॉर्म किसी भी डार्क पैटर्न में लिप्त नहीं है। प्लेटफॉर्म द्वारा स्व-घोषणा से उपभोक्ताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के बीच विश्वास का निर्माण होने के साथ-साथ निष्पक्ष डिजिटल इकोसिस्टम सक्षम होगा। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश, 2023 का अनुपालन करने की सलाह दी गई है। भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया है, जिसमें संबंधित मंत्रालयों, नियामकों, स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों और हर के प्रतिनिधि शामिल हैं। जेडब?ल्?यूजी का कार्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डार्क पैटर्न के उल्लंघन की पहचान करने के लिए जाँच करना और उपाय करना तथा नियमित अंतराल पर उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ जानकारी साझा करना है। यह उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए उचित जागरूकता कार्यक्रम भी सुझाएगा। उल्लेखनीय है कि डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने और ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं में अनुचित प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए सरकार की व्यापक रणनीति और चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में भारत सरकार के उपभोक्ता मामले के विभाग ने 2023 में डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश अधिसूचित कर 13 डार्क पैटर्न निर्दिष्ट किए थे। डार्क पैटर्न की पहचान करने और उसको खत्म करने के लिए जेडब्ल्यूजी का गठन किया गया है।

जुलाई से जीएसटी का नया नियम, तीन साल बाद लेट रिटर्न नहीं किया जा सकेगा दाखिल

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) रिटर्न फाइल करने वालों के लिए काम की खबर है। वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने बड़े बदलावों का ऐलान किया है। इसके तहत अब व्यवसायियों को जीएसटीआर-1ए फॉर्म दाखिल करते समय सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि वे जुलाई 2025 की कर अवधि से अपने जीएसटीआर-3बी फॉर्म को संपादित नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन ने एक बयान में कहा कि करदाता अब तीन साल की समय-सीमा समाप्त होने के बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर सकेंगे। जीएसटीएन ने कहा कि जुलाई, 2025 टैक्स अवधि से यह लागू हो जाएगा। इसका मतलब है कि करदाता जुलाई 2025 टैक्स अवधि के लिए अगस्त 2025 में मासिक रिटर्न दाखिल करेंगे। यह इस नई व्यवस्था के अंतर्गत आएगा।

जीएसटीएन के मुताबिक जुलाई 2025 से करदाताओं को अब मूल देय तिथि के तीन साल बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल करने से रोक दिया जाएगा। वित्त अधिनियम, 2023 से होने वाला ये बदलाव जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी सहित जीएसटीआर-4, जीएसटीआर-5, जीएसटीआर-5ए, जीएसटीआर-6, जीएसटीआर-7,जीएसटीआर-8और जीएसटीआर-9 जैसे विभिन्न जीएसटी रिटर्न को प्रभावित करेगा। वे अपना रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन के मुताबिक समय सीमा में यह संशोधन माल और सेवा कर वित्त अधिनियम, 2023 के तहत लागू किए जा रहे हैं। इसके अनुसार बाहरी आपूर्ति रिटर्न, देयता भुगतान से संबंधित रिटर्न, वार्षिक रिटर्न और स्रोत पर जमा किए गए कर से जुड़े रिटर्न अब समय सीमा समाप्त होने पर दाखिल नहीं किए जाएंगे। यह प्रतिबंध जुलाई 2025 की कर अवधि से जीएसटी पोर्टल पर लागू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जीएसटीएन ने करदाताओं को सलाह दी है कि अपने रिकॉर्ड का मिलान करें। देखें अगर अबतक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं किया गया है, तो जितनी जल्दी हो सके दाखिल कर लें। दरअसल पिछले साल अक्टूबर की शुरुआत में जीएसटीए ने करदाताओं को आगाह किया था कि 2025 की शुरुआत में कर प्रतिबंध पर उक्त प्रावधान को लागू किया जाएगा।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख; अधिकांश दालें सस्ती, चावल महंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा जबकि आवक बढ़ने से दालें सस्ती वहीं चावल महंगा हो गया। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा सप्ताहांत पर 71 रिंगिट चढ़कर 3909 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.01 सेंट फिसलकर 47.15 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। सरसों तेल 660 रुपये, मूंगफली तेल 330 रुपये और पाम ऑयल 367 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि सूरजमुखी तेल 733 रुपये, सोया रिफाइंड 733 रुपये और वनस्पति तेल 439 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। सप्ताहांत पर सरसों तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 17912 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14138 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 14286 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15751 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन: बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में अधिकांश दालों के भाव गिर गए। चना 300 रुपये, दाल चना 300 रुपये, मूंग दाल 400 रुपये और अरहल दाल 400 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गईं। वहीं, मसूर दाल और उड़द दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ सप्ताहांत पर चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7500-7600, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 9200-9300, अरहर दाल 8600-8700 रुपये प्रति क्विंटल रही।

सर्राफा बाजार में तेजी: 1 लाख के करीब पहुंच सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मजबूती नजर आ रही है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये से लेकर 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,310 रुपये से लेकर 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज 2,000 रुपये की तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पंजाब नेशनल बैंक ने ब्याज दर 0.50 फीसदी घटाया, नई दरें 9 जून से प्रभावी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने ब्याज दरों में 50 आधार अंकों यानी 0.50 फीसदी तक की कटौती करने का ऐलान किया है। बैंक के इस कदम से मौजूदा और नए उधारकर्ताओं को मदद मिलेगी। नई दरें 9 जून, 2025 से प्रभावी होगी। पंजाब नेशनल बैंक ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, पंजाब नेशनल बैंक ने ग्राहकों की ईएमआई को और अधिक किफायती बना दिया है। आरबीआई के रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती (6.00 फीसदी से 5.50 फीसदी) के बाद पीएनबी ने अपने आरएलएलआर को 50 बीपीएस यानी 0.50 फीसदी तक कम कर दिया है, जो 9 जून, 2025 से प्रभावी होगा। पीएनबी के बेंचमार्क रेपो-लिंक्ड बेंचमार्क लेंडिंग रेट्स

(आरबीएलआर) में कटौती के साथ बैंक का होम लोन 7.45 फीसदी से शुरू होगा, जबकि वाहन लोन 7.8 फीसदी प्रति वर्ष से शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में अपेक्षा से अधिक 50 आधार अंकों यानी 0.50 फीसदी की कटौती की है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और बैंकों को उधार देने के लिए अधिक धन उपलब्ध कराने के लिए अप्रत्याशित रूप से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को कम कर दिया है। ऐसे में लोगों को पीएनबी के अलावा अन्य बैंकों से भी जल्द ही इसी तरह की घोषणा की उम्मीद है।

यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत को लेकर उत्साहित, 10 वर्षों में 300 टर्बोप्रॉप बेचने की योजना

नई दिल्ली। यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत में कारोबारी अवसरों को लेकर उत्साहित है। एटीआर भारत में अपने विमानों की बिक्री की संभावनाओं को तलाशने के लिए विभिन्न ऑपरेटर्स और एयरलाइंस के साथ बातचीत कर रही है। भारतीय बाजार की विकास संभावनाओं को देखते हुए एटीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि अगले 10 वर्षों में देश में 300 और टर्बोप्रॉप होंगे। एयरबस और लियोनार्डो के संयुक्त उद्यम वाली कंपनी एटीआर 78 सीटों वाले टर्बोप्रॉप विमान के साथ-साथ मालवाहक विमान भी बनाती है। वर्तमान में, देश में 70 एटीआर विमान हैं, जिनका संचालन इंडिगो, एलायंस एयर और फ्लाई91 जैसी एयरलाइंस और ऑपरेटर्स द्वारा किया जाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और एशिया प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख जीन-पियरे क्लेरसिन ने हाल ही में दिल्ली का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कंपनी पहले से ही एटीआर विमान उड़ा रहे ऑपरेटरों सहित अनुसूचित और गैर-अनुसूचित ऑपरेटरों के साथ बातचीत कर रही है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है और यहां हवाई अड्डों की संख्या के साथ-साथ क्षेत्रीय हवाई संपर्क भी बढ़ रहा है।

भारत ने 11 वर्षों में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकाला : विश्व बैंक

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अत्यधिक गरीबी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। भारत में 11 साल में 269 मिलियन (करीब 27 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2011-12 में देश में अत्यधिक गरीबी की दर 27.1 फीसदी थी, जो 2022-23 तक घटकर केवल 5.3 फीसदी रह गई है। इसी अवधि में देश में 344.47 मिलियन (34.4 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन (7.5 करोड़) हो गई। इसका मतलब है कि इस दौरान करीब 269 मिलियन (26.9 करोड़) भारतीय को अत?यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकला गया है।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश- इन पांच राज्यों में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब रहते थे। अब इन?हीं पांच राज्यों ने 2022-23 तक गरीबी उन्मूलन में दो-तिहाई से अधिक योगदान दिया है।

शहरों में अत्यधिक गरीबी 10.7 फीसदी से 1.1 फीसदी पर आई

रिपोर्ट के मुताबिक विश्व बैंक ने गरीबी का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2021 की कीमतों पर) के आधार पर की है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी में तेज गिरावट को दर्शाता है। इसी अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4

फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 10.7 फीसदी से घटकर 1.1 फीसदी पर आ गई है। वहीं, 2.15 डॉलर प्रतिदिन की पिछली गरीबी रेखा (2017 की कीमतों पर) के आधार पर देखा जाए तो भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011-12 में 16.2 फीसदी से घटकर 2022 में सिर्फ 2.3 फीसदी रह गई है। इस सीमा से नीचे रहने वाले भारतीयों की संख्या 2011 के 205.93 मिलियन (20.59 करोड़) से घटकर 2022 में 33.66 मिलियन (3.36 करोड़) हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि को सरकार की गरीबों के लिए चलाई गई पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जनधन योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि बीते 11 सालों में केंद्र ने इंफ्रास्ट्रक्चर, समावेशन और पारदर्शिता पर ध्यान देते हुए कई योजनाएं शुरू कीं जिनका सीधा लाभ गरीबों को मिला। इन पहलों से हाउसिंग, क्लीन कुकिंग फ्यूल, बैंकिंग सर्विसेज और हेल्थकेयर तक लोगों की पहुंच में विस्तार हुआ है। इसके अलावा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल सर्विसेज और ग्रामीण विकास से जुड़े कामों ने भी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सभी प्रयासों से 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकल पाए हैं। यह उपलब्धि भारत को गरीबी मुक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

इस तेल के हैं कई लाजबाव फायदे

सरसों का तेल हर किसी की रसोई में दिख जाएगा। अधिकांश लोग इसे सिर्फ खाना बनाने वाला तेल ही समझते हैं, लेकिन यह सिर्फ भोजन बनाने तक ही सीमित नहीं है। यह तेल शरीर की कई छोटी-बड़ी समस्याओं से निजात दिला सकता है। इस खास लेख में हमारे साथ जानिए सरसों तेल के शारीरिक फायदों और इस्तेमाल करने के विभिन्न तरीकों के बारे में। आइए जानते हैं कि भोजन बनाने में इस्तेमाल किया जाने वाला यह तेल आपको किस प्रकार फायदा पहुंचा सकता है।

क्या है सरसों का तेल?

सरसों के तेल को सरसो (पौधा) के बीजों से निकाला जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम ब्रेसिका जुनसा है, जिसे विभिन्न भाषाओं में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। अंग्रेजी में इसे मस्टर्ड, तेलुगु में अवन्यून, मलायम में कदुगेना और मराठी में मोहरीच कहा जाता है। सरसों के बीज भूरे, लाल और पीले रंग के होते है। मशीनों की मदद से इनमें से तेल निकाला जाता है। भारत में इसका प्रचलन ज्यादा है और प्रतिदिन बनने वाले भोजन में इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह तेल जायका बढ़ाने के साथ-साथ भोजन को पौष्टिक भी बनाता है।

रिफाइंड सरसों का तेल

सरसों के बीजों से यह तेल मशीनों के जरिए निकाला जाता है। इसका स्वाद कड़वा होता है। इस प्रकार के तेल का इस्तेमाल भारत में खाना बनाने के लिए किया जाता है। रिफाइंड सरसों का तेल काले, भूरे या सफेद सरसों के बीजों से निकाला जाता है।

मांसपेशियां के दर्द में फायदा

आज से नहीं, बल्कि वर्षों से सरसों का तेल जोड़ों और मांसपेशियों में होने वाले दर्द के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। नियमित रूप से इस तेल की मालिश करने से शरीर में रक्त का प्रवाह बना रहता है और जोड़ों एवं मांसपेशियों में दर्द की समस्या नहीं रहती।

गठिया से होने वाले दर्द के लिए यह तेल फायदेमंद है। सरसों के तेल में बड़ी मात्रा में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो जोड़ों और गठिया के दर्द के लिए एक कारगर एंटीइंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में काम करता है।

हृदय के लिए फायदेमंद

यह तथ्य शायद आपको सुनने में बड़ा अजीब लगे कि तेल का सेवन किस प्रकार हृदय के लिए फायदेमंद है, लेकिन सरसो का तेल इस मामले में गुणकारी है। दरअसल, सरसों का तेल मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड के साथ-साथ ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड से समृद्ध होता है। ये दोनों फैट मिलकर इस्केमिक हृदय रोग (रक्त प्रवाह की कमी के कारण) की आशंका को 50 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं।

इतना ही नहीं सरसों के तेल को हाइपोकोलेस्टेरोलेमिक (कोलेस्ट्रॉल कम करने वाला) और हाइपोलिपिडेमिक (लिपिड-लोअरिंग) प्रभाव के लिए भी जाना जाता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को तो कम करता ही है और शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी बढ़ाता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

3. कैंसर से बचाव

सरसों तेल को जोड़ो जैसी आम समस्या से लेकर कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि सरसों के तेल में कैंसर से लड़ने वाले गुण भी मौजूद होते हैं। साउथ डकोटा यूनिवर्सिटी का एक अध्ययन भी इस बात को साबित करता है। उन्होंने कोलन कैंसर से प्रभावित चूहों पर सरसों, मकई और मछली के तेल के असर का परीक्षण किया, कोलन कैंसर को रोकने में मछली के तेल की तुलना में सरसों का तेल अधिक प्रभावी पाया गया

बॉडी को रोजाना होती है निर्धारित मात्रा में फैट की जरूरत

आहार और पोषण विशेषज्ञ दोनों ही दादी-नानी की घी-तेल खाने की सलाह को सही मानते हैं। इससे न सिर्फ शरीर की मांसपेशियां एवं ढांचा मजबूत होता है, बल्कि शरीर की विटामिन ग्रहण करने की क्षमता बढ़ती है। डॉक्टर के अनुसार हर रोज एक या दो अंडे डाइट में शामिल करना टाइप टू डायबिटीज के खतरे और हृदय रोगों की आशंका कम करता है। इसके बिना शरीर ट्राग्लिसिराइड, कोलेस्ट्रॉल व अन्य फैटी एसिड नहीं बना पाता। इन्हीं वसा का टूटना शरीर को विकास और अंगों को सुरक्षा देने के लिए ऊर्जा देता है। शरीर वसा में घुलनशील विटामिन्स को बेहतर तरीके से ले पाता है।' इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और द नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशनिस्ट, सैचुरेटेड फैटी एसिड (एसएफए), मोनोअनसेचुरेटेड फैटी एसिड (एमयूएफए) और पॉलिअनसैचुरेटेड फैटी एसिडी(पीयूएफए) सभी को बराबर अनुपात में लेने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार वनस्पति तेल, घी और मक्खन को अपने आहार में समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। डॉक्टर सुवर्णा पाठक कहती हैं, 'मैं कभी मरीजों को वसा रहित डाइट की सलाह नहीं देती। वसा शरीर के मेटाबॉलिज्म, जोड़ व हड्डियां दुरुस्त रखता है।

मेवा: बादाम, अखरोट और पिस्ते में एमयूएफए होते हैं, जो रक्तचाप कम करते हैं। ऊर्जा बढ़ाते हैं व कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखते हैं।'इसमें प्रोटीन, आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं। पहाड़ी बादाम में ओलिक एसिड और मैग्नीशियम होता है, जो कैंसर की आशंका कम करता है। नियमित चार बादाम, दो अखरोट और छह पिस्ते खाएं।'

घी: आयुर्वेद में प्राचीन समय से गाय के दूध से बना घी उपचार व खाने में इस्तेमाल किया जाता रहा है। 2012 में करनाल स्थित नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट के सर्वे के अनुसार गाय का घी लिवर में कैंसर के कारक कार्सिनोजेंस का सक्रिय होना कम करता है। डॉ. सीमा सिंह के अनुसार, 'सही मात्रा में घी खाने से हृदय रोगों से बचाव होता है। हानिकारक कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आती है। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और त्वचा में चमक आती है। दिव्या चौधरी के अनुसार, 'हर रोज एक चम्मच घी खाना ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है और वसा की जरूरत को पूरा करता है।'

चीज: एक दिन छोड़कर 20 ग्राम चीज खाना आपकी वसा की जरूरत पूरा करता है। 'इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन बी-12 होते हैं। यह उत्पाद कैल्शियम व प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसकी एक स्लाइस, एक गिलास दूध के बराबर है। चीज नहीं खाते तो सफेद मक्खन, 60 ग्राम तक घरेलू पनीर और 300 ग्राम दही खा सकते हैं।' डॉ. रुईया कम वसा वाले प्रोसेस्ड या फैट फ्री डेयरी प्रोडक्ट से परहेज की सलाह देती हैं। ये उत्पाद रसायनीकृत होते हैं व पाचन तंत्र पर दबाव डालते हैं।

रेसिपी

पुदीना पुलाव

सामग्री

- चावल: 1 कप
- पुदीना पत्ते: 2 कप
- हरी मिर्च: 3 कटी
- इमली का पेस्ट: 1 छोटा चम्मच
- प्याज बारीक कटा: 1
- तेल : 2 छोटे चमच्च
- राई: 1 छोटा चम्मच
- सफेद उड़द दाल: 1 छोटा चमच्च
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

पुदीना के पत्तों को अलग कर अच्छी तरह से धो लें। अब एक मिक्सर ग्राइंडर में पुदीना के पत्ते, हरी मिर्च और इमली का पेस्ट डालें। इसे पीसकर इसका पेस्ट बना लेंगे। अब एक कढ़ाई में तेल गरम करें। इसमें राई डालकर तड़काएं और फिर इसमें प्याज डालकर भुनें। जब ये सुनहरा हो जाए तब इसमें पुदीना पेस्ट और नमक डालकर मिलाएं और 5 मिनट के लिए पकने दें। गैस बंद करें और इसमें पके हुए चावल डालें। स्वादानुसार नमक डालकर गरमा-गरम परोसे। रायता, सलाद और पापड़ के साथ इसका स्वाद लगेगा जबरदस्त।

ब्रोकली का सूप

सामग्री

- ब्रोकोली बारीक कटी हुई: एक कप
- आलू बारीक कटे हुए: 3
- लहसुन: 1 कली
- नमक: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- मक्खन जरूरत के अनुसार
- पानी जरूरत के अनुसार

विधि

ब्रोकली का सूप बनाने के लिए सबसे पहले मीडियम आंच में एक पैन में मक्खन गर्म करें। इसके बाद ब्रोकोली, आलू और लहसुन को अच्छे से डालकर भून लें। इसके बाद पानी डालकर आलू और ब्रोकली को अच्छे से पकाते रहे, जब तक कि ये सूप की तरह नहीं हो जाता। इसके बाद सर्विंग बाउल में डालकर ऊपर से काली मिर्च पाउडर और थोड़ा सा मक्खन डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का प्लान, अवसाद रहेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-4-6

तुला टा री रु रे रो ता ती तू ते

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

मकर भे जा जी खी यू खे खो गा गी

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

मम्मी(श्याम से)- तुम रो क्यों रहे हो ?

श्याम- मेरे मास्टर जी बहुत बीमार थे, वह....

मम्मी- क्या वे मर गए ?

श्याम- नही, वे ठीक हो गए है, कल से स्कूल आने वाले है।

□ □ □

अध्यापक- मोहन, आज तुमने कौन सा अच्छा काम किया ?

मोहन- सर, आज मैंने व चार अन्य लडकों ने मिलकर एक बुढिया को सडक पार करवाई।

अध्यापक- शाबास, पर पांच लडकों की जरूरत क्यों पडी ?

मोहन- क्योंकि वह बुढिया सडक के पार जाना ही नही चाहती थी।

□ □ □

दांतो का डॉक्टर- तुम पहले क्या सुनना चाहोगे, अच्छी खबर या बुरी खर्ब ?

मरीज- अच्छी खबर।

डॉक्टर- तुम्हारे दांत बिल्कुल ठीक है।

मरीज- तो फिर बुरी खबर क्या है ?

डाक्टर- तुम्हारे मसूडे इतने खराब हो चुके है, कि मुझे तुम्हारे सारे दांत निकालने पडेंगे।

□ □ □

काकुरो पहेली - 4079

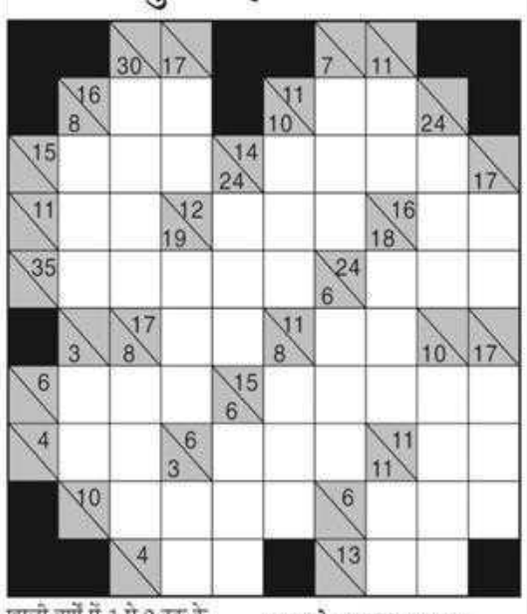

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

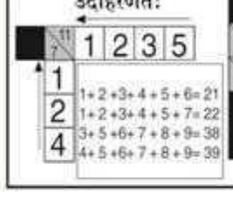

काकुरो -4078 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4079

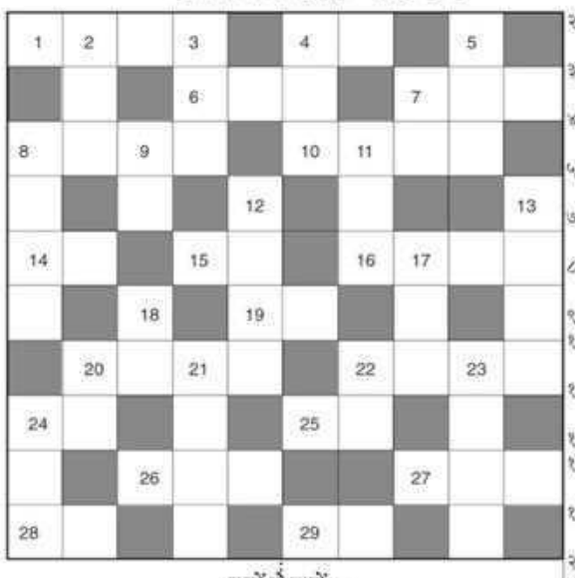

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मौत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शाबिर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चले बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का लोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, चाँदी, उर्मिला की फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंदचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सामूजी थारे लाख' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'ठहरिये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4078

सूडोकु -4079

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4078 हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 4079

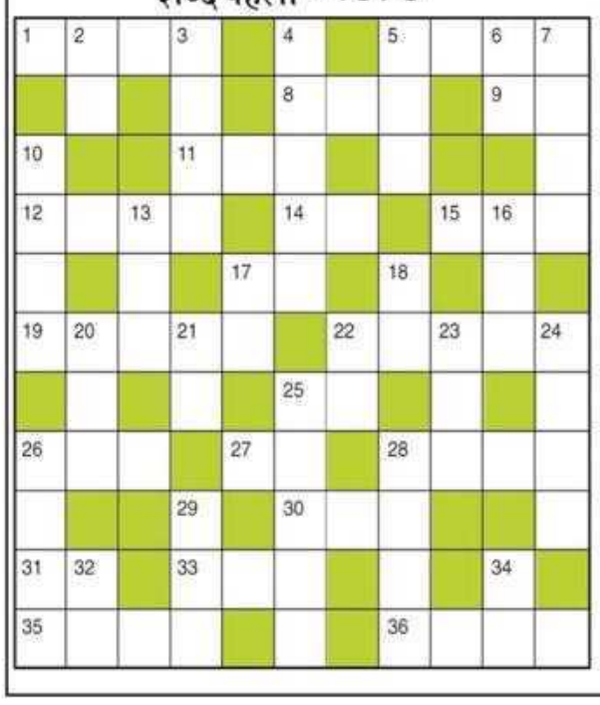

बाएँ से दाएँ

1. चिकित्सा,इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा,क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर,शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा,अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर,आकर्षक-5
22. अनासक्ति,निर्विकारता-5
25. पानी,नीर-2
26. सूखा,दुष्काल-3
27. कांटा,कंटक-2
28. शांति,ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31. लाख,गोंद-2
33. मधुक,महुआ-3
35. हृदयगति,स्पंदन-4
36. अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2. पंख,पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5. वियोग,जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता,अकेलापन-4
10. मरियल,निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म,गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम,नमस्कार-3
32. लड़ी,श्रृंखला-2
34. दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली 4078 का हल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक रितु वालिया के लिये वालिया प्रिंटर्स, मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर-भिवानी हरियाणा 127201 से मुद्रित व मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर भिवानी हरियाणा 127201 से प्रकाशित किया।
ई मेल: lokparerna@gmail.com, फोन: 01252-259260, संपादक: श्रीमती रितु वालिया, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।